DE GROUP
We Define Estate

Gandivaranchi
बिरसा का गांडीव

injection.care
PHARMACY
+91 95070 00009 | injection.care

रांची, माघ, कृष्ण पक्ष, षष्ठी 2082 | गुरुवार, 08 जनवरी 2025, मूल्यः ₹2, वर्ष : 7, अंकः 54 | RNI NO : JHABIL/2019/85684 | TOTAL PAGE-08 | www.gandivlive.com

नगर निकाय चुनाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयुक्त ने की समीक्षा

एसआईआर नहीं बनेगा बाधक मार्च में निकाय चुनाव की संभावना

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड में नगर निकाय चुनाव का रास्ता साफ हो गया है। एसआईआर निकाय चुनाव को प्रभावित नहीं करेगा। यह निर्णय आज गुरुवार को राज्य निर्वाचन आयुक्त अलका तिवारी की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में लिया गया। बैठक में गृह सचिव, डीजीपी, नगर विकास सचिव और सभी जिलों के डीसी-एसपी उपस्थित थे।

वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में निर्वाचन से जुड़े सभी तैयारियों की समीक्षा की गई। इस दौरान राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कुछ जिलों द्वारा अब तक रिपोर्ट

नहीं भेजे जाने पर नाराजगी व्यक्त की और जल्द रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया। बैठक में गोड्डा, दुमका और सरायकेला-खरसावां से मतपेटिका की आवश्यकता, उपलब्धता और तैयारी की रिपोर्ट अप्राप्त है।

व्यय राशि और सुरक्षा से जुड़े बिंदुओं पर निर्देश : बैठक में नगर विकास एवं आवास विभाग से निर्वाचन हेतु आवश्यक राशि का आकलन करते हुए जिलों को व्यय राशि की मांग करने के निर्देश दिए गये। वहीं मतदान केंद्रों पर विधि व्यवस्था के लिए सुरक्षा बलों की आवश्यकता और उपलब्धता का आकलन करने हेतु आवश्यकतानुसार सुरक्षा बलों की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। राज्य के 48 नगर निकायों में चुनाव होने हैं। कोई तकनीकी अड़चन नहीं आए तो चुनाव मार्च तक संपन्न करा लिया जाएगा।

निर्वाचन कर्मियों का होगा प्रशिक्षण : नगर निकाय चुनाव को लेकर निर्वाचनकर्मियों, निर्वाची पदाधिकारी, पर्यवेक्षक और अन्य कर्मियों का प्रशिक्षण इसी महीने संपन्न करा लिया जाएगा। सचिव राधेश्याम प्रसाद ने कहा कि चुनाव की घोषणा से पहले निर्वाचन कर्मियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा कर लिया जाएगा और जल्द ही चुनाव की घोषणा की जाएगी।

एसआईआर का निकाय चुनाव पर प्रभाव नहीं: सचिव

राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राधेश्याम प्रसाद ने बताया कि चुनाव को लेकर लगभग तैयारियां पूरी हो गई हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर का कोई प्रभाव नगर निकाय चुनाव पर नहीं पड़ेगा। आयोग के सचिव ने कहा कि मेयर और अध्यक्ष के आरक्षण को जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा और इसे सार्वजनिक किया जाएगा।

लापता बच्चों के लिए जोमैटो ब्वॉय से पुलिस लेगी मदद

GANDIV REPORTER

रांची। पिछले एक सप्ताह से धुर्वा से लापता बच्चों को खोजने में नाकाम पुलिस अब स्वीगी, जोमैटो और कुरियर संचालकों का सहयोग लेगी। इसके लिए आज जिला पुलिस मुख्यालय में बैठक आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता एसएसपी राकेश रंजन ने की, जबकि बैठक में ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर, जिले के सभी डीएसपी उपस्थित थे।

ज्ञात हो कि एक सप्ताह पूर्व जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र से पांच वर्षीय अंश और चार वर्षीय अंशिका नामक बच्चे लापता हैं और आज तक पुलिस को इनका सुराग नहीं मिला है। इनकी तलाश में पुलिस जगह-जगह छापा मार रही है, लेकिन अबतक सफलता नहीं मिली है। पुलिस पर काफी दबाव है। केंद्रीय राज्य मंत्री संजय सेठ ने भी लापता बच्चों को खोज निकालने का दबाव बनाया है। पुलिस ने इश्तिहार जारी कर दोनों बच्चों की तस्वीर और पूरी जानकारी सार्वजनिक करने का निर्णय लिया है। साथ ही, बच्चों की जानकारी देने वाले को 51 हजार रुपये बतौर इनाम देने की घोषणा की है।

रांची पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि लापता बच्चों के संबंध में कोई भी सुराग या जानकारी मिले तो नजदीकी थाना, डीएसपी हटिया कार्यालय या धुर्वा थाना पुलिस को तुरंत सूचना दें।

बांग्लादेश में दीपू दास की हत्या का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

ढ़ाका। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा बढ़ती जा रही है। पिछले दिनों एक हिंदू गारमेंट फैक्ट्री में काम करने वाले दीपू चंद्र दास की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को सरेआम जला दिया गया। इस मामले ने दुनियाभर का ध्यान अपनी ओर खींचा और तमाम जगह यूनुस सरकार के खिलाफ प्रदर्शन हुए। ऐसे में बांग्लादेश की पुलिस को कार्रवाई करने पर मजबूर होना पड़ा है। पुलिस ने दीपू दास मामले के मुख्य आरोपी यासीन अराफात को गिरफ्तार कर लिया है। यासीन अराफात पूर्व टीचर रहा है और माना जा रहा है कि उसी ने इस हत्याकांड को अंजाम देने के लिए पूरी प्लानिंग की और फिर उसे अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार, दीपू दास की हत्या के बाद, अराफात कथित तौर पर उस इलाके से भाग गया और छिप गया था।

खूंटी में भीषण सड़क हादसा, डोड़मा चर्च के दो फादर की मौत, एक घायल

GANDIV REPORTER

खूंटी। जिले में बुधवार देर रात एक सड़क हादसा हो गया, जिसमें डोड़मा आरसी चर्च के दो फादर (धर्मगुरु) की मौत हो गई। जबकि एक अन्य फादर गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा खूंटी-सिमडेगा मुख्य सड़क पर हुआ।

मृतकों की पहचान डोड़मा चर्च के फादर सुशील प्रवीण टिडू और बागरटोली निवासी फादर सुनील भेंगरा के रूप में हुई है। जबकि गंभीर रूप से घायल फादर जॉन्सन भेंगरा को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि फादर जॉन्सन असम के एक चर्च में पदस्थापित हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों के अनुसार, तीनों फादर

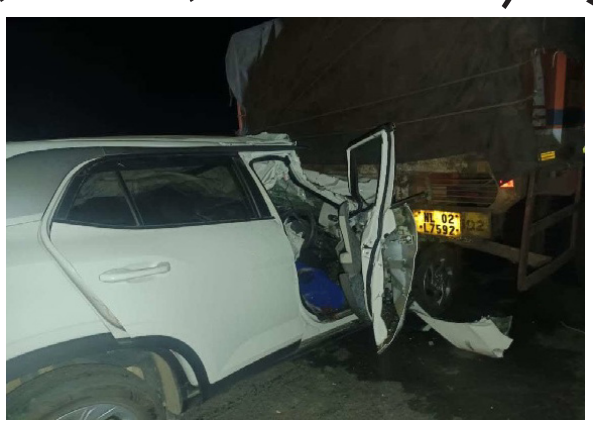

तोरपा से एक पार्टी में शामिल होने के बाद देर रात डोड़मा चर्च लौट रहे थे। इसी दौरान कार सड़क पर चल रहे एक ट्रक के पीछे जा घुसी।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा ट्रक के पिछले हिस्से में बुरी तरह से फंस गया, जिससे कार चकनाचूर हो गई। ग्रामीणों ने भी बताया कि टक्कर की आवाज काफी दूर तक सुनाई दी थी। कार का अगला हिस्सा ट्रक के अंदर फंसने के कारण राहत बचाव कार्य में भी कड़ी मशक्कत भी करनी पड़ी।

इधर हादसे की सूचना मिलते ही तोरपा उप प्रमुख संतोष कर तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और उन्होंने पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मुकेश यादव अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिलकर कड़ी मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त कार में फंसे सभी फादर को बाहर निकाला।

पुलिस ने फादर के शवों को कानूनी औपचारिकताओं के बाद पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। जबकि घायल फादर जॉन्सन का इलाज जारी है। पुलिस ने आशंका जताई है कि तेज रफ्तार और दृश्यता कम होने के कारण यह हादसा हुआ होगा।

भारत पर 500% टैरिफ लगा सकता है अमेरिका

GANDIV REPORTER

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंधों से जुड़े एक बिल को मंजूरी दे दी है। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक इस बिल में रूस से तेल खरीदने वाले देशों खासकर भारत, चीन और ब्राजील पर 500% तक टैरिफ लगाने का प्रावधान है। रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने बताया कि उन्होंने बुधवार को व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति से बातचीत की, जिसमें ट्रम्प ने संसद बिल को पेश करने के लिए हरी झंडी दे दी। यह बिल पिछले कई महीनों से तैयार किया जा रहा था। इसे अगले हफ्ते संसद में वोटिंग के लिए लाया जा सकता है।

बिल का नाम सैंक्शनिंग रशिया एक्ट 2025 है। इसका मकसद उन देशों पर दबाव बनाना है, जो यूक्रेन युद्ध के बीच रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीद रहे हैं। अमेरिका का आरोप है कि इससे रूस को युद्ध लड़ने में मदद मिल रही है। इस एक्ट के तहत रूस के ऊर्जा, बैंकिंग और डिफेंस सेक्टर्स को निशाना बनाया गया है। इसमें रूसी तेल-गैस कंपनियों, बड़े बैंकों, डिफेंस इंडस्ट्री और उनसे जुड़े ग्लोबल नेटवर्क पर सख्त पाबंदियों का प्रस्ताव है।

इसके साथ-साथ उन तीसरे देशों, कंपनियों या बैंकों पर भी सेकेंडरी सैंक्शन लगाने का प्रावधान है, जो रूस को प्रतिबंधों से बचने में मदद करते पाए जाएं। मतलब साफ है जो देश भी रूस के साथ घुमावदार रास्ते से कारोबार करेगा, वह भी अमेरिकी कार्रवाई की जद में आ सकता है।

दुनिया को चुनाव का गुर सिखाएगा चुनाव आयोग

नयी दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग दुनिया के विभिन्न देशों के चुनाव प्रबंधन संस्थानों को अपने अनुभव साझा करने जा रहा है। आयोग 21 से 23 जनवरी तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में पहला इंडिया इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट आयोजित करने जा रहा है। यह भारत द्वारा लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन के क्षेत्र में आयोजित अब तक का सबसे बड़ा वैश्विक सम्मेलन होगा। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन से पहले, चुनाव आयोग ने गुरुवार को दिल्ली में राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में वैश्विक सम्मेलन में उनके नेतृत्व में संचालित होने वाले 36 थीमैटिक ग्रुप्स पर विस्तार से चर्चा की गई।

सीबीआई की टीम ने साहिबगंज जिला खनन कार्यालय में दस्तावेजों की जांच की

GANDIV REPORTER

साहिबगंज। अवैध खनन की जांच के लिए साहिबगंज गयी सीबीआई की टीम ने गुरुवार को जिला खनन कार्यालय में दस्तावेज की जांच की। जिला खनन पदाधिकारी से माइनिंग की गतिविधियों के सिलसिले में जानकारी और आवश्यक दस्तावेज लिये। सीबीआई की टीम मंगलवार की शाम अवैध खनन की जांच करने के लिए साहिबगंज पहुंची थी।

जांच के दौरान गुरुवार को सीबीआई की टीम ने जिला खनन कार्यालय में दस्तावेज की जांच की। सीबीआई ने जिला खनन पदाधिकारी से जिले में माइनिंग लीज, उनके द्वारा किये गये खनन कार्य, रॉयल्टी वसूली से संबंधित ब्योरे की जानकारी ली। साथ ही इससे जुड़े दस्तावेज भी लिये। सीबीआई अधिकारियों के दल ने

खनन कार्य से जुड़े लोगों के अलावा कुछ अन्य लोगों को भी समन जारी कर पूछताछ के लिए सर्किट हाउस में बुलाया था।

सीबीआई द्वारा जारी किये गये समन के आलोक में हाजिर हुए लोगों से जिले में वैध और अवैध माइनिंग से जुड़े मामलों की जानकारी ली गयी। सीबीआई ने अवैध खनन की जांच के दौरान बुधवार को स्टीमर घाट और नींबू पहाड़ का निरीक्षण किया। इस दौरान नींबू पहाड़ के पास माइंग लीज धारक अनुपस्थित पाये गये। बताया जाता है कि सीबीआई के आने की सूचना पर नींबू पहाड़ के पास वैध माइनिंग लीज धारक भी अनुपस्थित पाये गये थे।

पलामू के कमलदह झील में विदेशी मेहमानों का जमावड़ा

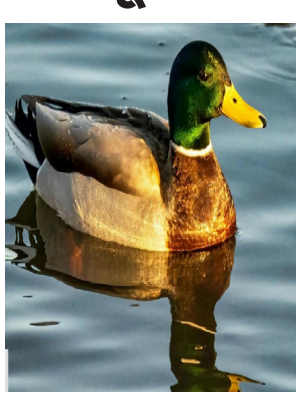

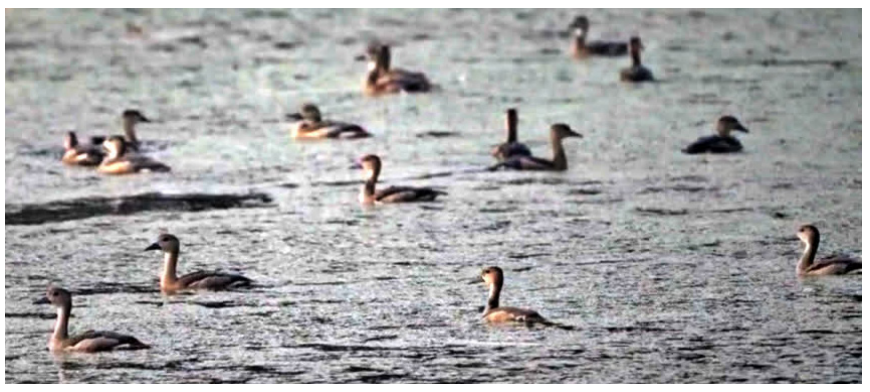

GANDIV REPORTER

पलामू। गढ़वा, लातेहार एवं पलामू के इलाके में हजारों की संख्या में प्रवासी पक्षी पहुंचे हैं। प्रवासी पक्षियों ने हजारों किलोमीटर का सफर तय किया है और झील, तालाब एवं नदियों को अपना ठिकाना बनाया है। नवंबर महीने से प्रवासी पक्षियों का पलामू के इलाके में आना शुरू हो जाता है, यह पक्षी गर्मी की शुरूआत मार्च महीने तक रुकते हैं और फिर वापस लौट जाते हैं। पलामू गढ़वा एवं लातेहार के इलाके में वन विभाग के सर्वे के अनुसार, 180 से अधिक विभिन्न प्रजाति के पक्षियों ने इस इलाके में अपना ठिकाना बनाया है। अधिकतर प्रवासी पक्षी साइबेरिया एवं रूस से जुड़े पक्षी है। पलामू टाइगर रिजर्व के अंतर्गत आने वाले बेतला नेशनल पार्क में मौजूद कमलदह झील, प्रवासी पक्षियों का सबसे बड़ा ठिकाना है। कमलदह झील का ऐतिहासिक महत्व रहा है। झील का निर्माण चेरो राजवंश के दौरान हुआ था।

नेशनल पिस्टल कोच पर महिला शूटर से यौन शोषण का आरोप, एफआईआर

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। नेशनल पिस्टल कोच अंकुश भारद्वाज पर 17 वर्षीय राष्ट्रीय स्तर की महिला निशानेबाज से यौन शोषण करने का गंभीर आरोप लगा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी कोच के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है। वहीं, नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने उन्हें तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, मंगलवार 6 जनवरी 2025 को पीड़िता के परिजनों ने नेशनल शूटिंग कोच अंकुश भारद्वाज के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। एफआईआर के मुताबिक, यह घटना नई दिल्ली स्थित डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित एक नेशनल लेवल शूटिंग प्रतियोगिता के दौरान हुई। शिकायत में कहा गया है कि कोच ने खेल से जुड़ी बातचीत के बहाने नाबालिग महिला शूटर को फरीदाबाद के एक होटल में बुलाया।

कुत्ते इंसानी डर पहचानते हैं, इसलिए काटते हैं : सुप्रीम कोर्ट

वकील बोले- देश में सिर्फ पांच सरकारी शेल्टर, हमें इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में आवारा कुत्तों से जुड़े मामलों पर गुरुवार को लगातार दूसरे दिन ढाई घंटे सुनवाई हुई। कोर्ट ने कुत्तों के बिहेवियर को लेकर चर्चा की। जस्टिस नाथ ने कहा कि कुत्ते इंसानों का डर पहचान लेते हैं इसलिए काटते हैं। इस पर एक वकील (कुत्तों के फेवर वाले) ने इनकार किया। फिर जस्टिस ने जवाब दिया कि, अपना सिर मत हिलाइए, ये बात मैं पर्सनल एक्सपीरियंस से बोल रहा हूं। उधर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि राज्यों ने जो आंकड़े दिए हैं। उनमें से किसी ने यह नहीं बताया कि नगर पालिकाओं की तरफ से कितने शेल्टर चलाए जाते हैं। देश में सिर्फ 5 सरकारी शेल्टर हैं। इनमें से हर एक में 100 कुत्ते रह सकते हैं। हमे इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत है। इससे पहले सुनवाई के दौरान एनिमल वेलफेयर की तरफ से दलील दे रहे एडवोकेट सीयू सिंह ने कुत्तों को हटाने या शेल्टर होम भेजने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि कुत्ते हटाने से चूहों की आबादी बढ़ेगी। इस पर कोर्ट ने मजाकिया अंदाज में कहा- तो क्या बिल्लियां ले आएं?

इस मामले पर पिछले 7 महीनों में छह बार सुनवाई हो चुकी है। पिछले साल नवंबर में सुप्रीम कोर्ट ने स्कूलों, अस्पतालों, बस स्टैंड, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और रेलवे स्टेशनों से आवारा कुत्तों को हटाने का आदेश दिया था। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा था कि इन जानवरों को तय शेल्टर में ट्रांसफर किया जाए।

याचिकाकर्ता के एक वकील ने कहा

हर पालतू कुत्ते का मालिक होता है। जबकि आवारा कुत्ते का कोई मालिक नहीं होता। न ही यह राज्य की जिम्मेदारी है। हालांकि राज्य का काम वैक्सीनेशन वगैरह देना है। एबीसी नियम ऐसे होने चाहिए कि मेरे घर तक का रास्ता सुरक्षित रहे। वकील (कुत्तों को हटाने के पक्ष में) ने कहा कि अदालत का आदेश सिर्फ संस्थानों तक सीमित नहीं होना चाहिए। बल्कि उसे रिहायशी इलाकों पर भी लागू किया जाना चाहिए। कुत्ते को समझाना (काउंसलिंग) संभव नहीं है, लेकिन कुत्ते की देखभाल करने वाले या मालिक को समझाया जा सकता है।

हर डॉग लवर और एनजीओ को याचिका लगाने में एक तय राशि जमा करनी होती है। इस शर्त को हटाया जाए। इस पर कोर्ट ने हल्के अंदाज में जवाब दिया- अगर हमने यह शर्त नहीं रखी होती, तो यहां पंडाल लगाना पड़ता।

कुत्तों की मॉनिटरिंग के लिए पहले उनकी गिनती जरूरी है जो आखिरी बार 2009 में हुई थी। सिर्फ दिल्ली में 5,60,000 कुत्ते थे। सेंटर्स की हाउसिंग कैपेसिटी के हिसाब से ही तय संख्या में जानवरों को पकड़ा जाना चाहिए। कैपेसिटी है ही नहीं, तो आप उन्हें कहां रखेंगे? एक वकील (कुत्तों को न हटाने के फेवर में) ने कहा- दिल्ली में चूहे और बंदरों का भी खतरा है। अगर कुत्तों को अचानक हटा दिया जाएगा तो चूहों की आबादी बढ़ जाएगी। वे बीमारी फैलाने वाले होते हैं। कुत्ते संतुलन बनाए रखते हैं। इस पर जस्टिस मेहता ने कहा- यह कैसा संबंध हैं? ऐसे तो कुत्ते और बिल्लियां आपस में दुश्मन होते हैं। तो हमें और बिल्लियों को बढ़ावा देना चाहिए। हमने हर कुत्ते को सड़क से हटाने का निर्देश नहीं दिया है। उनके साथ नियमों के अनुसार व्यवहार किया जाना चाहिए।

69वीं राष्ट्रीय स्कूल खेल प्रतियोगिता : झारखंड बना राष्ट्रीय स्कूली खेलों का केंद्र, फुटबॉल से हॉकी तक पांच खेलों की मेजबानी

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड एक बार फिर राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर मजबूती से उभरता नजर आ रहा है। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने 69 वीं राष्ट्रीय स्कूल खेल प्रतियोगिता 2025-26 के तहत झारखंड को इस वर्ष फुटबॉल, तीरंदाजी, शतरंज, साइक्लिंग (ट्रैक एवं रोड) और हॉकी जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं की मेजबानी सौंपी है। यह आयोजन न केवल राज्य के लिए गौरव का विषय है, बल्कि झारखंड की उभरती खेल संस्कृति और मजबूत खेल अवसंरचना का भी प्रमाण है।

जेईपीसी द्वारा खेल प्रतियोगिता का आयोजन : इन सभी राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार के तत्वावधान में झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा किया जा रहा है। प्रतियोगिताएं राजधानी रांची के मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, खेलगांव, बीआईटी मेसरा स्थित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्टेडियम समेत अन्य चयनित खेल परिसरों में आयोजित हो रही है। इन आयोजनों में देश के सभी राज्यों और विभिन्न बोर्डों की कुल 44 इकाइयों से हजारों खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

एक मंच पर देशभर के खिलाड़ी : 69वीं राष्ट्रीय स्कूल खेल प्रतियोगिता के तहत आयोजित होने वाले इन खेलों में लद्दाख, जम्मू- कश्मीर, तमिलनाडु, तेलंगाना, बिहार, पश्चिम बंगाल सहित देश के कोने-कोने से खिलाड़ी रांची पहुंच चुके हैं। खिलाड़ियों के साथ उनके कोच, मैनेजर और अभिभावक भी बड़ी संख्या में झारखंड आए हैं। सभी प्रतिभागियों के ठहरने, भोजन, सुरक्षा, चिकित्सा सुविधा और खेल संबंधी व्यवस्थाओं को उच्च गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित किया गया है, ताकि खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर जैसा अनुभव मिल सके।

इन सभी खेलों में देश के श्रेष्ठ स्कूली खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं, जिनमें भविष्य के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी छिपे हैं।

खिलाड़ियों ने सराहा झारखंड की मेजबानी : विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ियों और कोचों ने झारखंड में मिली सुविधाओं की खुलकर सराहना की है। खिलाड़ियों का कहना है कि

खेल और आयु वर्ग

इस साल झारखंड में आयोजित की जा रही 69वीं राष्ट्रीय स्कूल खेल प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्ग के बालक और बालिका खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिताओं का विवरण इस प्रकार है।

फुटबॉल : अंडर-14 एवं अंडर-17 बालिका वर्ग
प्रतियोगिता की तिथियां: 18 से 22 दिसंबर 2025 सफल आयोजन हो चुका हैं।

तीरंदाजी : अंडर-17 बालक एवं बालिका वर्ग
प्रतियोगिता की तिथियां: 6 से 10 जनवरी 2026 इवेंट्स जारी है।

अंडर-14 बालक एवं बालिका वर्ग : साइक्लिंग (ट्रैक एवं रोड)
अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 बालक-बालिका वर्ग
शतरंज और साइक्लिंग प्रतियोगिताएं 13 से 17 जनवरी 2026 तक आयोजित होगी।

हॉकी : अंडर-17 बालक एवं बालिका वर्ग
प्रतियोगिता की तिथियां: 27 से 31 जनवरी 2026 तक आयोजित होगी।

: झारखंड पहले से ही तीरंदाजी और हॉकी जैसे खेलों में अपनी पहचान बना चुका है। अब राष्ट्रीय स्कूल खेल प्रतियोगिता के झारखंड की खेल छवि मजबूत होगी, बल्कि आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों को भी आगे बढ़ने की नई प्रेरणा मिलेगी।

नशा उन्मूलन पर डोरण्डा कॉलेज, डालसा का कार्यक्रम

नशीली पदार्थों का तस्करी करना अपराध : राजेश कुमार सिन्हा

GANDIV REPORTER

रांची। न्यायामूर्ति-सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा सुजित नारायण प्रसाद के दिशा निर्देश पर एवं माननीय न्यायायुक्त, रांची श्री अनिल कुमार मिश्रा-1 के नेतृत्व में तथा डालसा सचिव की देखरेख में आज दिनांक 08.01.2026 को डोरण्डा कॉलेज रांची में में छात्र-छात्राओं के लिए एन.एस.एस के बच्चों के साथ डॉन अभियान के तहत नशा मुक्ति पर एक विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डिप्टी एलएडीसी, राजेश कुमार सिन्हा, एनसीबी के राकेश गोस्वामी, आनन्द कुमार, डोरण्डा कॉलेज, रांची के प्रिंसिपल, डॉ फरहान अख्तर, विभागाध्यक्ष, डॉ. नीतिश कुमार, एन.एस.एस. के बच्चे विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं, पीएलवी प्रहलाद एवं अन्य उपस्थित थे।

राजेश कुमार सिन्हा ने भारतीय संविधान का अनुच्छेद 47 पर फोकस किये। उन्होंने कहा कि अफीम या पोस्ता के उत्पादन या कब्जे पर एनडीपीएस अधिनियम 1985 के तहत मात्रा के आधार पर 20 साल तक के कठोर कारावास एवं 2 लाख रुपए के जुर्माने की सजा हो सकती है। बार-बार अपराध करने पर मृत्युदंड तक दिया जा सकता है। कांके स्थित पुनर्वास केंद्रों के साथ-साथ एनजीओ भी नशा करने वालों को ठीक करने में मदद करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि सीआईपी और रिनपास में जिला विधिक सेवा प्राधिकार का लिगल एड क्लिनिक है, जहां नशा करनेवाले व्यक्तियों को ईलाज किया जाता है। श्री सिन्हा ने आगे नशा से संबंधित पदार्थों के बारे एवं सजा के प्रावधानों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों का तस्करी करने, रखने, एक जगह से दूसरे जगह ले जाने, किसी व्यक्ति के पास पाये जाने पर वह एनडीपीएस कानून के तहत सजा के भागी होंगे। श्री सिन्हा ने नालसा टॉल फ्री नम्बर 15100 पर फोकस किया। श्री सिन्हा ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के द्वारा निःशुल्क कानूनी सहायता प्रदान किये जाने के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रिनपास, रांची और सीआईपी रांची में नशामुक्ति केंद्र में डालसा का लिगल-एड-क्लिनिक है, जहां पर नशा छुड़ाने के लिए नशा से पीड़ित लोगों का ईलाज करा सकते है।

राकेश गोस्वामी ने कहा कि नशा हमारे देश को खोखला कर रहा है। नशा से बचने के लिए छात्र-छात्राओं को जागरूक करना आवश्यक है। नशा के पेडलार नवयुवक एवं छात्रों को इस व्यावसाय में आसानी से उपयोग करते है, जिससे हमलोगों को सचेत रहना है और किसी भी तरह का ड्रग्स पेडलरों के द्वारा दिये जा रहे लालच में न आये। उन्होंने एनसीबी के टॉल फ्री नम्बर - 1933 के बारे में भी जानकारी दिये। एनसीबी के आनंद कुमार ने कहा कि झारखंड में इस नशे की समस्या को रोकने के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की भूमिका महत्वपूर्ण है। यह कानूनों के कार्यान्वयन और हितधारकों के बीच समन्वय के लिए जिम्मेदार है। नशे की दवाओं का उत्पादन और वितरण इस समस्या की जड़ तक पहुँचता है। ज्ञात हो कि अन्य वक्ताओं ने कहा कि नशा करने से व्यक्ति और परिवार, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

गणतंत्र दिवस पर दिल्ली की झांकी में झलकेगा झारखंड का कलशा नृत्य

अजय तिर्की ने कलाकारों को किया सम्मानित

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड के प्रतिभाशाली कलाकारों की एक टीम का चयन 26 जनवरी को नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में झारखंड की झांकी में भाग लेने के लिए किया गया है। यह चयन राज्य के लिए गौरव का विषय माना जा रहा है।

झारखंड राज्य के विभिन्न जिलों से आए युवा कलाकारों एवं संगीतकारों की यह टीम शिक्षका सह लोकगायिका सुषमा नाग के नेतृत्व में प्रस्तुतीकरण के माध्यम से झारखंड के लोकप्रिय कलशा नृत्य का प्रदर्शन करेगी। इस नृत्य के जरिए उरांव जनजातीय सभ्यता तथा राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष

अजय तिर्की ने इसे झारखंड के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने सभी चयनित प्रतिभागियों को मिठाई खिलाकर एवं माला पहनाकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि सभी प्रतिभागियों से उम्मीद की कि वो राज्य और देश का नाम रौशन करे ।

चैम्पियन ट्रॉफी प्रतियोगिता का समापन

GANDIV REPORTER

मुरी। बुधवार को कुसुमटीकरा के मैदान में स्व सुखदेव बेदिया चैम्पियन टीर्फी मे बालक वर्ग के विजेता बिरसा एफ सी को पूर्व विधायक सुदेश महतो ने टीर्फी देकर सम्मानित किया। वही बालिका वर्ग में नामकुम एफसी रांची को प्रखण्ड प्रमुख जितेन बडाईक ने टीर्फी देकर सम्मानित किया। मंच से भुमि दाता उदव सिंह मुंडा को सम्मानित किया गया। इसी मंच से स्व सुखदेव बेदिया के भाई अभिराम मांझी, रोहित मुंडा, सुजन लोहरा, पिंटू कुमार, प्रताप ठाकुर सम्मानित हुए। मैने आफ द सीरीज राजेश उरांव बिरसा एफ सी, मैन ऑफ द मैच महादानी एफ सी राहुल महतो, वेस्ट गोल कीपर रतिमा लकडा धोषित किए गए। सफल बनाने में सोमरा माझी, हरि पद मांझी, चैतन्य मांझी, अनुप मांझी, गुही राम मांझी, संतोष कुमार, अनिल मांझी, सृष्टि धर मांझी, जनार्दन मांझी, लाल मांझी, अक्षय भोक्ता, चिराग संजय पंकज, वीरेंद्र कुमार, गीता देवी की सराहनीय योगदान रहा। एक अन्य सुचना में इसी कुसुमटीकरा फुटबॉल मैदान में आगामी 1 फरवरी, 2026 दिन रविवार को बेदिया युवा मंच की ओर से विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन सुबह 8.45 से शुरू किया जाएगा।

लोसेरा में 350 फीट का पीसीसी पथ का शिलान्यास

मुरी। सिल्ली पिस्का पंचायत अन्तर्गत आमटोला लोसेरा के गुणाराम मांझी के घर से पेन तक 350 फीट का पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास विधायक अमित महतो की उपस्थिति में मोस्मात उम्रिला देवी के हाथों से किया गया। इस मौके पर बिधायक ने सभी को धन्यवाद देते हुए कहा कि और भी गांव के कार्य के प्रतिद्ध हूँ। आने वाले समय में और भी कार्य किए जाएगे। इस मौके पर इंजीनियर राजेश भगत, पूर्व मुखिया राजेश बेदिया दिनेशवर मंडल, सुयोग्य साहु, विषम महतो, लक्षण मूंडा, राजु समेत गाँव के गणय मान्य लोग उपस्थित थे।

शेख भिखारी और शहीद टिकैत उमराव सिंह के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

GANDIV REPORTER

अनगड़ा(रांची)। अनगड़ा 8 जनवरी यह एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम था, जिसमें स्थानीय नेताओं ने शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे इसलाह ए मुआसराह के अध्यक्ष परवेज खान ने कहा कि इन शहीदों का बलिदान झारखंड की आजादी की लड़ाई में अमर रहेगा। उन्होंने शहीदों के संघर्ष और त्याग को याद करते हुए कहा कि हमें उनके आदर्शों पर चलकर समाज और देश की सेवा करनी चाहिए। ऐसे आयोजन हमें अपनी जड़ों और स्वतंत्रता संग्राम के नायकों से जोड़ते हैं, जो हिंदू-मुस्लिम एकता का भी प्रतीक हैं।

मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल सोय, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष एतवा उरांव, उपाध्यक्ष जोन तिग्गा, विधानसभा सह प्रभारी राजेंद्र मुंडा, प्रमुख दीपा उरांव, उप प्रमुख जयपाल हजाम , महिला अध्यक्ष सरिता देवी,जिला महासचिव शिवदास गोस्वामी, कमेटी के सचिव साकिर अंसारी,मीडिया प्रभारी मिन्हाज आलम ,छोटेलाल महतो, बिहारी मुंडा, पंचायत समिति सदस्य फाल्गुनी शाही मुंडा, रब्बानी राज, वरिष्ठ कांग्रेसी सिद्धिकं अंसारी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता यूनूस अंसारी, आलम अंसारी, सिदिक अंसारी, अब्बास अंसारी, बबलू राम, कांग्रेस नेत्री संगीता कैथा, अनिता देवी, युवा कांग्रेस सोशल मीडिया प्रभारी संतोष कच्छप सहित परवेज खान, इम्तियाज अंसारी, सलीम अंसारी, फिरोज अंसारी और कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

गंभीर आरोप लेकर अरगोड़ा थाना पहुँची पदमा बड़ाईक

GANDIV REPORTER

रांची। अरगोड़ा थाना में पदमा बड़ाईक ने निशा भगत के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए लिखित शिकायत दर्ज कराई है। अपने आवेदन में पदमा बड़ाईक ने आरोप लगाया है कि निशा भगत ने उन्हें अपने घर बुलाकर जबरन मांस और शराब पिलाई तथा शारीरिक शोषण किया।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि निशा भगत द्वारा अश्लील फिल्में बनाने जैसी हरकतें की गईं। साथ ही, पदमा बड़ाईक ने आरोप लगाया है कि निशा भगत के एक सहयोगी द्वारा भी उनके साथ जबरन शारीरिक संबंध और अश्लील व्यवहार किया गया।

पदमा बड़ाईक के अनुसार, इन पर घटनाओं से वह मानसिक और शारीरिक रूप से आहत हुई हैं। उन्होंने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

सड़क निर्माण को लेकर विधायक से रुबरु ग्रामीण

GANDIV REPORTER

मुरी। सिल्ली के पिस्का पंचायत अन्तर्गत लोसेरा तलाब बांध से पिस्का को जोड़ने वाली कच्ची सड़क को बनाने को लेकर ग्रामीण बिधायक अमित महतो से मिल कर समस्या रखी। पूर्व मुखिया राजेश मांझी ने बताया कि पिस्का और लोसेरा के रास्ते काफी साटकट है ग्रमीण का आना जाना भी है। रास्ते के आसपास कई घर भी है कच्ची और उबड खाबड़ पत्थरीली होने के कारण पैदल यात्री, साईकिल मोटर साइकिल से आने जाने वालों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। राजेश मांझी ने ध्यान को आकृष्ट करते हुए बताया कि लोसेरा में कई रास्ते पर पहले से पीसीसी बना है। फिर उसी पर पुनः पीसीसी बना दिया गया। जहाँ ज्यादा जरुरत है।

कल होगा पीआईबी का वार्तालाप कार्यक्रम

GANDIV REPORTER

रांची। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत पत्र सूचना कार्यालय रांची द्वारा कल 9 जनवरी 2026 को हजारीबाग के होटल केनरी इन में जिले के पत्रकारों के साथ एक वार्तालाप कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसका विषय है, विकसित भारत रोजगार आजीविका गारंटी मिशन ग्रामीण 2025 चार नए श्रम संहिता, 2025 और राष्ट्र गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर उसका महत्व ।

संवाददाताओं को संबोधित करते हुए भारतीय सूचना सेवा के अधिकारी एवं पत्र सूचना कार्यालय, रांची के कार्यालय प्रमुख राजेश सिन्हा ने बताया कि कल 9 जनवरी के वार्तालाप कार्यक्रम में वक्ताओं और विशेषज्ञों का एक विस्तृत पैनल है और माननीय विधायको की भी भागीदारी होगी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर (डॉ) सी बी शर्मा होंगे जबकि विशिष्ट तिथि के रूप में पत्र सूचना के कार्यालय और केंद्रीय संचार ब्यूरो, पूर्वी भारत के महानिदेशक टीवीके रेड्डी कोलकाता से आकर इसमें शामिल होंगे। इनके अलावे हजारीबाग सदर के विधायक प्रदीप प्रसाद एवं बरही के विधायक मनोज कुमार यादव ने भी बतौर विशिष्ट अतिथि अपनी अपनी उपस्थिति की सहमती दी है। इस वार्तालाप कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में कानून के अध्ययन और शोध के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय रांची के सहायक प्रो डॉ मृत्युंजय मयंक, समाचार एजेंसी आईएनएस के झारखंड प्रमुख तथा रांची प्रेस क्लब के अध्यक्ष शंभू नाथ चौधरी, दूरदर्शन समाचार रांची के प्रमुख दिवाकर कुमार तथा कमांडेंट सुरेंद्र सिंह मलिक, (बीएसएफ मेरु कैंप हजारीबाग) भी मौजूद रहेंगे।

लोसेरा के लक्ष्मी मांझी की व्यथा जगंली हाथी का भय

मुरी। लोसेरा की रहने वाली लक्ष्मी मांझी की व्यथा यह है कि सन् दो हजार बाईस में जंगली हाथी घर को तोड़ कर तहस नहस कर दिया। उस समय से घर निर्माण के लिए कई बार आवेदन दिया,पर कोई भी नहीं सुना। किसी तरह कच्चा घर बना कर रह रही है। उसे डर है कि कहीं पुनः जंगली हाथी उसके घर को तोड़ न दे। दुसरी व्यथा कि घर से दुर पानी पीने के लिए पानी लाना पड़ता है। अभी फिलहाल स्वयं गभ्रवती है। पति रांची में रहकर काम करता है। एक छोटा बेटा उसके साथ रहता है। सास ससुर भी नहीं है।

मंत्री इरफान अंसारी ने प्राइवेट मेडिकल कॉलेज के उद्घाटन की घोषणा की

GANDIV REPORTER

जामताड़ा। झारखंड के स्वास्थ्य एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री इरफान अंसारी ने जामताड़ा में बयान है। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास को लेकर कोई कॉम्प्रोमाइज नहीं करूंगा। उन्होंने कहा कि राज्य में आठ प्राइवेट मेडिकल कॉलेज खुलेंगे।जिसमें छह की स्वीकृति ले ली गई है और अन्य दो मेडिकल कॉलेज खोलने की जल्द स्वीकृति ले लेंगे। उन्होंने कहा कि परसों राज्य में प्राइवेट मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन होगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मेडिकल कॉलेज जनता को समर्पित करेंगे।

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि राज्य में खुलने वाले 6 मेडिकल कॉलेजों में से एक जामताड़ा में खुलेगा। उन्होंने ने ही मिहिजाम में 100 बेड का अस्पताल और 200 करोड़ की शहरी जलापूर्ति योजना की स्वीकृति दिलायी है।अनाज काटे जाने के मामले में मंत्री का यू-टर्न इस दौरान सूबे के खाद्य आपूर्ति मंत्री इरफान अंसारी ने पीडीएस डीलरों द्वारा गरीबों का अनाज काटे जाने के मामले में पूर्व में दिए गए अपने बयान पर यू-टर्न लिया है। उन्होंने कहा कि पूर्व में दिए गए मेरे बयान को भाजपा के लोगों ने गलत तरीके से प्रसारित किया, जबकि मैंने व्यंग्य किया था।

पूर्व में दिए गए बयान को बताया व्यंग्य

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि, 'मैंने कहा था कि सबका परिवार है। मैंने व्यंग्य किया था।' उन्होंने कहा कि यहां तो हंसना भी पाप हो गया। सवालिया लहजे में मंत्री ने कहा कि, 'क्या पीडीएस डीलरों को भगा दूं, हटा दें इस राज्य से।' उन्होंने कहा कि, 'उनका शोषण होगा तो क्या मैं बर्दाश्त कर लूंगा।

खूंटी बंद : पड़हा राजा की हत्या के विरोध में व्यापक प्रदर्शन

आवागमन ठप, चेंबर ऑफ कॉमर्स का भी समर्थन, सभी पक्ष के नेताओं ने की घटना की निंदा

GANDIV REPORTER

खूंटी। जिले के आदिवासी नेता सह एदेल संगा पड़हा के राजा सोमा मुंडा की बुधवार को हत्या के खिलाफ जिला बंद का व्यापक असर दिख रहा है। आदिवासी संगठन के लोग सड़कों पर उतरकर हत्याकांड का विरोध कर रहे हैं। विधि व्यवस्था न बिगड़े इसको देखते हुई खूंटी प्रशासन चौकस है। खूंटी के चेंबर ऑफ कॉमर्स ने भी बंद को समर्थन दिया है।

गुरुवार की सुबह आदिवासी संगठनों के लोग सड़कों पर उतरे और बंद के समर्थन में नारेबाजी की। कई जगह ट्रैक्टर खड़ी कर मुख्य मार्ग को जाम कर दिया गया है। जगह-जगह मुख्य मार्गों पर गाड़ियों की लंबी कतार लगी हुई है। स्थानीय लोगों ने मुरहू-तोरपा और अड़की इलाके में बंद कराया। हूटार चौक पर भी लोगों ने प्रदर्शन किया।

बुधवार की शाम खूंटी थाना क्षेत्र के जमुआदाग के समीप अपराधियों ने सोमा मुंडा पर उस वक्त हमला किया, जब वे अपने घर लौट रहे थे। सोमा मुंडा अपनी पत्नी के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। उनकी पत्नी ने बताया कि वे जमुआदाग के रास्ते से होकर अपने गांव चलांगी लौट रहीं थीं। जमुआदाग में तालाब के पास पीछे से एक बाइक पर सवार दो लोग आए और ओवरटेक करते हुए दो राउंड गोली चला दी। गोली लगते ही सोमा मुंडा गिर पड़े। गोली चलाने के बाद हमलावर बाइक सवार मंदरूटोली की ओर फरार हो गए।

डीएसपी वरुण रजक ने बताया कि एक जांच टीम गठित कर दी गई है। अपराधियों की धर पकड़ के लिए छापेमारी लगातार जारी है। आज खूंटी सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम किया जा रहा है। भाजपा नेता सह पूर्व सीएम चंपई सोरेन ने घटना की निंदा करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की है।

उन्होंने कहा कि इस घटना से साफ है कि कानून व्यवस्था किस हाल में है। वहीं, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा ने घटना की निंदा करते हुए विधि व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। वहीं, खूंटी के कांग्रेसी सांसद कालीचरण मुंडा और तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। बता दें कि एदेल संगा पड़हा राजा, झारखंड पार्टी के एक जुझारू कर्मठ नेता, शिक्षाविद और आदिवासी समन्वय समिति, खूंटी जिला के संयोजक थे।

मून डिस्को बार के बाहर युवक को कार से कुचलने वाले दो मुख्य आरोपी गिरफ्तार

GANDIV REPORTER

रांची। लालपुर चौक स्थित मून डिस्को बार के बाहर कार से कुचलकर युवक की हत्या करने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर गठित टीम ने इस मामले में दोनों मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। रांची पुलिस जल्द ही प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले का खुलासा करेगी। उल्लेखनीय है कि चार जनवरी की रात करीब नौ बजे सत्यप्रकाश सिंह अपने भांजे अंकित कुमार सिंह और उसके दोस्तों के साथ मून डिस्को बार गए थे। रात करीब 12 बजे जब वे बार से बाहर निकले, तभी दूसरे समूह के लोगों ने आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए गाली-गलौज

शुरू कर दी। विरोध करने पर विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। इसी दौरान सड़क पर खड़ी सफेद कार से अंकित और उसके दोस्तों को धक्का मारा गया, जिससे अंकित गंभीर रूप से घायल हो गया। जबकि उसका साथी आकाश कुमार भी जख्मी हो गया। इसके बाद आरोपियों ने दोबारा कार चढ़ाकर अंकित को कुचल दिया और मौके से फरार हो गया। घायल अंकित को सदर अस्पताल, रांची ले जाया गया, जहां से उसे रिम्स रेफर किया गया। रिम्स ले जाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद भय के कारण मृतक के मामा सत्यप्रकाश सिंह और उसके दोस्त शव को लेकर गढ़वा आ गए। पांच जनवरी को गढ़वा थाना में जीरो एफआइआर दर्ज कराई गई। इसके बाद गढ़वा सदर अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

न्यायिक प्रक्रिया पर टिप्पणी करने वाले प्रमोद सिंह के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्रवाई शुरू

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने हाल ही में सख्त रुख अपनाते हुए प्रमोद सिंह नामक व्यक्ति के विरुद्ध आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू की है। यह आदेश जस्टिस अरुण कुमार राय की एकल पीठ द्वारा पारित किया गया है। अदालत ने पाया कि प्रमोद सिंह द्वारा किए गए कृत्य न केवल अदालती आदेशों की अवहेलना है, बल्कि न्याय प्रशासन में प्रत्यक्ष हस्तक्षेप और न्यायालय की गरिमा को कम करने का प्रयास है। अदालत ने प्रथम दृष्टया माना कि आरोपी का आचरण आपराधिक अवमानना की श्रेणी में आता है। आमतौर पर ऐसी कार्यवाही तब शुरू की जाती है, जब कोई व्यक्ति जानबूझकर न्यायालय को अपमानित करता है या न्यायिक प्रक्रिया को बाधित करने की कोशिश करता

है। हाईकोर्ट ने प्रमोद सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी किया है और पूछा है कि उनके खिलाफ अवमानना कानून के तहत दंडात्मक कार्यवाही क्यों न की जाए। दरअसल रामगढ़ के रहने वाले प्रमोद सिंह पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर वीडियो बनाकर न्यायिक प्रक्रिया पर कठोर टिपण्णी कर रहे थे, जिसकी आलोचना भी हो रही थी। इस बीच अदालत ने इस पूरे मामले पर संज्ञान लेकर अवमानना की कार्रवाई शुरू की है।

पुण्यतिथि पर कर्मियों के बीच गर्म कपड़े का हुआ वितरण

GANDIV REPORTER

रांची। कैंब्रिज इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में गुरुवार को कैंब्रिज ट्रस्ट के सलाहकार रहे पूर्व प्रशासनिक अधिकारी स्व। बी के चाँद की सातवीं पुण्यतिथि के मौके पर चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों के बीच गर्म कपडे का वितरण किया गया। बता दें की स्व चाँद के पुत्र व आकांक्षा सोशल एजुकेशन एंड स्कील डेवलपमेन्ट सोसाइटी के अध्यक्ष कौशिक चाँद द्वारा प्रत्येक वर्ष पुण्यतिथि के मौके पर गर्म कपड़ों का वितरण किया जाता है।कार्यक्रम के दौरान संस्थान के लगभग पांच दर्जन से अधिक कर्मचारियों को स्वेटर शॉल, जैकेट, आदि का वितरण किया गया।

गर्म कपडे पाकर कर्मी काफी खुश दिखे।मौके पर कैंब्रिज ट्रस्ट के ट्रेजरर नवनीत सिंह, वित्त निदेशक पी के सेन, प्राचार्य डॉ एल रंगनाथन, उपप्राचार्य प्रो रसिका नवनीत सिंह, सीएओ संतोष महतो, ओएसडी डॉ पी एस शर्मा,डिप्टी रजिस्ट्रार मनीष नाथ, डॉ विजय शंकर सिंह, डॉ रणवीर कुमार, एन एस मुखोपाधाय, दीपक वर्मा आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

झारखंड में सिहरन बरकरार, खूंटी के बाद हजारीबाग का पारा लुढ़का

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड में सर्दी का सितम जारी है। ज्यादातर जिलों का न्यूनतम पारा 10 डिग्री के नीचे चला गया है। हालांकि अधिकतम पारा में सुधार से दिन के वक्त थोड़ी राहत जरूर मिली है। दिन के वक्त अच्छी धूप निकल रही है। लेकिन शाम ढलते ही बर्फीली हवा ठिठुरन पैदा करने लगती है। शुक्रवार तक न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव की गुंजाईश नहीं है। लेकिन शनिवार से न्यूनतम तापमान में थोड़ा सुधार होने से ठंड से राहत मिलने की उम्मीद है।

मौसम केंद्र ने 9 जनवरी तक छह जिलों के लिए शीतलहर की आशंका जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। इनमें रांची, गुमला, लोहरदगा, खूंटी, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम जिला शामिल है। इन जिलों के निवासियों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। घर से बाहर निकलते वक्त ठंड से बचाव के तमाम उपाय करने के सुझाव दिए गये हैं। मौसम केंद्र, रांची के मुताबिक 8 जनवरी को सबसे कम तापमान हजारीबाग में रिकॉर्ड हुआ है। यहां पारा 2.9 डिग्री पर पहुंच गया है। खूंटी में भी ठंड बरकरार है। हालांकि बुधवार को 2.1 डिग्री तापमान की तुलना में गुरुवार को पारा थोड़े सुधार के साथ 3.2 डिग्री पर चला गया है। इसके अलावा डाल्टनगंज में 3.4 डिग्री, लोहरदगा में 3.6 डिग्री, सरायकेला में 5.4 डिग्री, सिमडेगा में 5.5 डिग्री, चाईबासा में 6.4 डिग्री, बोकारो में 6.5 डिग्री, लातेहार में 7.6 डिग्री, रांची में 8.0 डिग्री, कोडरमा में 8.0 डिग्री, पाकुड़ में 8.0 डिग्री, जमशेदपुर में 8.4 डिग्री और देवघर में 9.8 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है। मौसम केंद्र के मुताबिक अधिकतम पारा में थोड़ा सुधार है। पिछले 24 घंटे में चाईबासा में 28.8 डिग्री तापमान पहुंच चुका है। इस वजह से दिन वक्त गर्मी महसूस की जा रही है। इसके अलावा जमशेदपुर में 25.4 डिग्री, खूंटी में 25.6 डिग्री, सरायकेला में 25.8 डिग्री और सिमडेगा में 26.3 डिग्री पर पहुंच गया है। हालांकि शेष जिलों में अधिकतम पारा 25 डिग्री के नीचे है। दिन के वक्त सबसे ज्यादा ठंड हजारीबाग, कोडरमा और लातेहार में महसूस की जा रही है। क्योंकि इन जिलों का अधिकतम पारा 20 डिग्री के नीचे चला गया है। इस बीच डाल्टनगंज और देवघर में सुबह के वक्त घना कोहरा देखने को मिला है। इस वजह से डाल्टनगंज की विजिबिलिटी 300 मीटर जबकि देवघर की 500 मीटर रिकॉर्ड हुई है। मौसम में आ रहे उतार-चढ़ाव को देखते हुए ठंड से बचाव को लेकर सावधानी बरतने की अपील की गई है।

सिल्ली में चाउमीन दुकानदार को गोली मारी, हालत गंभीर

रांची। सिल्ली थाना क्षेत्र अंतर्गत पतराहातू बाजार के पास बुधवार रात पतराहातू निवासी हराधन महतो चाउमीन दुकानदार को दो अपराधियों ने गोली मार दी। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल इलाज के लिए रिम्स में भर्ती कराया गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों आरोपी चाउमीन दुकान पर पहुंचे और किसी बात को लेकर दुकानदार से कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर बाइक सवार एक युवक ने दुकानदार पर गोली चला दी और दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए रात से ही लगातार छापेमारी अभियान चलाया हुआ है। इलाके में दहशत का माहौल है, जबकि पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ठंड के मौसम में भी पानी को तरसता वार्ड 34, सैकड़ों परिवारों ने सीएम को लिखा पत्र

GANDIV REPORTER

रांची। राजधानी रांची में इन दिनों ठंड का मौसम है, लेकिन वार्ड संख्या 34 के लोगों की परेशानी कम नहीं हुई है। मौसम ठंडा होने के बावजूद इलाके में पानी की समस्या बनी हुई है, जिसने हजारों लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित कर रखा है। हालात इतने गंभीर हैं कि पाइपलाइन बिछने और आईटीआई बस स्टैंड के पास पानी की टंकी बनकर तैयार होने के बावजूद लोगों को अब तक नियमित पेयजल आपूर्ति नहीं मिल पा रही है।

टैंकर से भी नहीं हो रहा पानी की भरपाई : इसी समस्या को लेकर वार्ड 34 के सैकड़ों परिवारों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर जलापूर्ति शुरू कराने की मांग की है। वार्ड 34 के विद्यानगर, गंगानगर, यमुनानगर, कृष्णा नगर, बजरा और आसपास के इलाकों में रहने वाले लोग लंबे समय से पानी की किल्लत झेल रहे हैं।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह इलाका हर साल ड्राई जोन की स्थिति में पहुंच जाता है। इस बार भी हालात अलग नहीं हैं। ठंड के मौसम में भी कई घरों में पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा है, जिससे लोगों को अतिरिक्त परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थायी जलापूर्ति व्यवस्था चालू नहीं होने के कारण लोग अब भी रांची नगर निगम की ओर से भेजे जाने वाले टैंकरों पर निर्भर हैं।

हालांकि टैंकर से मिलने वाला पानी जरूरत के हिसाब से पर्याप्त नहीं है। कई बार टैंकर तय समय पर नहीं पहुंचते, जिससे लोगों को वैकल्पिक स्रोतों से पानी की व्यवस्था करनी पड़ती है। ठंड के मौसम में भी सुबह-सुबह या देर शाम पानी जुटाने के लिए निकलना लोगों की मजबूरी बन गया है।

मुख्यमंत्री को लिखा गया पत्र

स्थानीय लोगों का आरोप है कि जलापूर्ति से जुड़ी योजनाएं सिर्फ कागजों तक सीमित रह गई हैं। इलाके में पाइपलाइन बिछ चुकी है और पानी की टंकी भी बनकर तैयार है, लेकिन इन्हें अब तक चालू नहीं किया गया। लोगों का कहना है कि अगर ठंड के मौसम में ही हालात ऐसे हैं, तो आने वाले समय में समस्या और गंभीर हो सकती है। इसी चिंता को देखते हुए पूर्व पार्षद अरुण कुमार झा के नेतृत्व में इलाके में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इसके तहत सैकड़ों परिवारों ने एकजुट होकर मुख्यमंत्री को पत्र भेजा है। पत्र में मांग की गई है कि आईटीआई बस स्टैंड के पास बनी पानी की टंकी को तत्काल चालू कर वार्ड 34 के सभी प्रभावित मोहल्लों में नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

नगर निगम की ओर से मिला भरोसा

पूर्व पार्षद अरुण कुमार झा का कहना है कि वार्ड 34 पहले से ही ड्राई जोन क्षेत्र में आता है। इसलिए यहां स्थायी जलापूर्ति व्यवस्था बेहद जरूरी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो हालात और बिगड़ सकते हैं। इस पूरे मामले पर रांची नगर निगम के अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है। निगम के अधिकारियों का कहना है कि वार्ड 34 में जलापूर्ति से जुड़ी समस्या हमारे संज्ञान में है। पानी की टंकी और पाइपलाइन को चालू करने की प्रक्रिया जारी है। तकनीकी और प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी होते ही नियमित पानी की आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। फिलहाल वार्ड 34 के हजारों लोग ठंड के इस मौसम में भी पानी की स्थायी व्यवस्था का इंतजार कर रहे हैं और उम्मीद लगाए बैठे हैं कि जल्द ही उन्हें इस संकट से राहत मिलेगी।

संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता पर सवाल

उमेश चतुर्वेदी
पत्रकार एवं स्तम्भकार

इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन की सत्ता को तहस-नहस करने के लिए तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जार्ज बुश जूनियर और तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने एक बहाना बनाया। संयुक्त राष्ट्र संघ की ओर से इराक भेजे गए वैज्ञानिकों और पर्यवेक्षकों ने कथित रूप से रिपोर्ट दी कि इराक के पास व्यापक जनसंहार के रासायनिक हथियार हैं। अमेरिका की नजर में सद्दाम तानाशाह थे,इस लिहाज से ये हथियार मानवता के लिए घातक हो सकते थे।फिर क्या था।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अपदस्थ करके हथकड़ियों में उनके देश से उठाकर न्यूयॉर्क में लाने की घटना को लेकर भारत की संतुलित प्रतिक्रिया स्वाभाविक है। अमेरिका से व्यापारिक रिश्तों को लेकर जारी बातचीत के बीच अमेरिकी कार्रवाई की कड़ी आलोचना राष्ट्रीय कूटनीतिक लिहाज से सही नहीं कही जाएगी। वैसे भी ट्रंप जैसे राष्ट्राध्यक्ष के दौर में तो कड़ी प्रतिक्रिया अपने राष्ट्रीय हितों को संकट में डालने जैसा ही माना जाएगा। लेकिन जिस तरह भारत के लोगों ने इस कार्रवाई के विरोध में प्रतिक्रिया जताई है, उसे भी भारतीय लोक की स्वाभाविक प्रक्रिया का ही हिस्सा माना जाना चाहिए। भारतीय लोक स्वभाव से ही लोकतांत्रिक है और उसे लोकतांत्रिक सत्ताओं का सैनिक कार्रवाई के जरिए उखाड़ना पसंद नहीं रहा है। भारतीय लोक का मानस कमजोर के पक्ष में खड़े होने का रहा है। इसलिए अधिसंख्य भारतीय प्रतिक्रियाएं निकोलस मादुरो के पक्ष और अमेरिका के विरोध में हैं।

अमेरिकी कार्रवाई ने दो तरह प्रस्थापनाएं की हैं। पहली यह कि ताकतवर के लिए कुछ भी करना संभव है। वह उसे नियमों और कानूनों की परिभाषा में बांध सकता है। दुनिया लाख चिल्लाती रहे कि किसी राष्ट्राध्यक्ष की सत्ता को उखाड़ फेंकना और उसे गिरफ्तार करके अपने कानूनों के दायरे में लाना अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है, लेकिन इसका अमेरिका की सेहत पर फिलहाल कोई असर नहीं पड़ने जा रहा। अमेरिका ने एक तरह से इतिहास को ही दोहराया है। अमेरिका अपने हितों के खिलाफ जिस देश को सिर उठाते देखता है, उसके खिलाफ उसे सैनिक, कूटनीतिक और आर्थिक कार्रवाई करने में देर नहीं लगती। इस मौके पर जार्ज बुश सीनियर के दौर को याद किया जाना चाहिए। कुवैत में इराकी सेना की कार्रवाई के खिलाफ उन्होंने खाड़ी युद्ध छेड़ दिया था। बेशक इस युद्ध की आग में झुलसने के चलते वे सत्ता में दोबारा वापसी नहीं कर पाए। लेकिन उनके अधूरे कार्य को उनके बेटे जार्ज बुश जूनियर ने पूरा किया। बेशक इसके लिए मुस्लिम चरमपंथियों और ओसामा बिन लादेन के कुख्यात संगठन अलकायदा ने मौका मुहैया कराया।

इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन की सत्ता को तहस-नहस करने के लिए तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जार्ज बुश जूनियर और तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने एक बहाना बनाया। संयुक्त राष्ट्र संघ की ओर से इराक भेजे गए वैज्ञानिकों और पर्यवेक्षकों ने कथित रूप से रिपोर्ट दी कि इराक के पास व्यापक जनसंहार के रासायनिक हथियार हैं। अमेरिका की नजर में सद्दाम तानाशाह थे,इस लिहाज से ये हथियार मानवता के लिए घातक हो सकते थे।फिर क्या था,संयुक्त राष्ट्रसंघ के प्रस्ताव की आड़

में अमेरिका और ब्रिटेन ने इराकी शासन के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी। अमेरिका की अगुआई वाली सेनाओं के हमले में इराक तहस-नहस हो गया। सद्दाम गिरफ्तार कर लिए गए, उनके खिलाफ मुकदमा चलाया गया और उन्हें व्यापक नरसंहार का दोषी ठहराते हुए फांसी पर लटका दिया गया। बाद के दिनों में बीबीसी ने रिपोर्ट दी कि जिन घातक रासायनिक हथियारों को खत्म करने के नाम पर इराक पर मित्र देशों की सेनाओं ने हमला किया, असलियत में ऐसे हथियार तो इराक के पास थे ही नहीं। बीबीसी को यह खबर लीक करने का शक हथियार जांचने पहुंचे अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों की टीम के सदस्य रहे ब्रिटिश वैज्ञानिक विलियम केली पर किया गया। बीबीसी के कई अधिकारियों और पत्रकारों को इस खबर के लिए अपनी नौकरी गवांनी पड़ी। एक सुबह टहलने गए विलियम केली भी रास्ते में मृत पाए गए। इराक में अमेरिकी तर्ज का लोकतंत्र स्थापित तो हो गया है,लेकिन क्या वहां शांति आ पाई है? कुछ ऐसा ही यक्ष प्रश्न वेनेजुएला को लेकर उभरने वाला है। सवाल यह है कि क्या डोनाल्ड ट्रंप की कार्रवाई के बाद वेनेजुएला में जो सत्ता स्थापित हुई है, क्या वह सही मायने में लोकतंत्र स्थापित करके वहां नशा के कारोबार को रोक पाएगी। नशे के कारोबार की बात इसलिए की जा रही है, क्योंकि ट्रंप ने मादुरो पर बड़ा आरोप लगाया है कि वे नशे के कारोबार को बढ़ावा दे रहे थे, जिससे अमेरिकी हितों को चोट पहुंच रही थी। हालांकि उनके इस आरोप को अमेरिका की ही उपराष्ट्रपति रहीं कमला हैरिस ने नकारा है। उनका कहना है कि ट्रंप की कार्रवाई की मूल वजह के पीछे तेल का खेल है।

वेनेजुएला के पास दुनिया के सबसे बड़ा कच्चे तेल का भंडार है। अनुमान है कि यह भंडार करीब 303 अरब बैरल है। लेकिन कच्चे तेल के उत्पादन में वह बहुत पीछे है। वैश्विक स्तर पर तेल उत्पादकों की जो सूची है, उसमें वेनेजुएला 21वें स्थान पर है। इसकी बड़ी वजह यह है कि उत्पादन के लिए वेनेजुएला के पास बुनियादी ढांचे की बेहद कमी है। इसके साथ ही मादुरो की सत्ता के चलते यहां लगातार अमेरिकी प्रतिबंध लगे हैं। इसकी वजह से वह उत्पादन नहीं कर पा रहा है। अमेरिकी प्रतिबंध के पहले तक भारत वेनेजुएला का दूसरे नंबर का तेल आयातक था। भारत की अमेरिकी कार्रवाई को लेकर संतुलित प्रतिक्रिया की एक बड़ी वजह भारतीय तेल कंपनियों का फंसा यहां पैसा है। कच्चे तेल के उत्पादन के लिए भारतीय तेल कंपनियों ने यहां निवेश कर रखा है। भारत के करीब नौ हजार करोड़ रूपए यहां फंसे हैं। उम्मीद की जा रही है कि बदली परिस्थितियों में भारत को यह रकम मिल सकती है या फिर तेल का आयात बढ़ सकता है। बहरहाल अमेरिका में भी एक बड़ा वर्ग ऐसा है, जिसका मानना है कि मादुरो की गिरफ्तारी के पीछे ट्रंप की कोशिश अपने परिवार के नियंत्रण वाली तेल कंपनियों को फायदा पहुंचाना है।

अमेरिकी कार्रवाई ने एक सवाल यह भी उठाया है कि क्या संयुक्त राष्ट्रसंघ की अब भी जरूरत है। इस कार्रवाई के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता एक बार फिर सवालों के घेरे में है। संयुक्त राष्ट्रसंघ को ट्रंप के अमेरिका ने एक बार फिर अंगूठा दिखाया है। अमेरिकी कार्रवाई के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ और उसके महासचिव की एक मात्र भूमिका बयान देने और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाने की रस्म तक सिमटी नजर आ रही है। अब दुनिया को सोचना होगा कि क्या ताकतवर ही दुनिया को चलाएंगे। क्या दुनिया में कमजोर राष्ट्रों, उनकी संप्रभुता और उनकी स्वतंत्रता का महत्व नहीं रहेगा। दिलचस्प यह है कि अमेरिका खुद को लोकतंत्र का सबसे बड़ा पहरूआ मानता है। हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने लोकतंत्र की वह दुहाई देता रहता है। बेशक अंदरूनी स्तर पर उसके यहां लोकतंत्र मजबूत हो, लेकिन उसका मजबूत लोकतंत्र दुनिया में तानाशाही का माध्यम भी है, इसे भी दुनिया को देखना और समझना होगा।

अमेरिकी कार्रवाई ने एक बार परमाणु अस्त्रों की प्रासंगिकता को भी साबित किया है। सवाल यह है कि यदि वेनेजुएला भी छोटा ही सही,परमाणु ताकत होता तो क्या अमेरिकी सेना वहां ऐसी कार्रवाई कर पाती? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है। परमाणु निरस्त्रीकरण के समर्थकों को इस विषय में सोचना होगा। अमेरिकी कार्रवाई से स्पष्ट है कि आज परमाणु हथियार संबंधित राष्ट्र की शांति और सुरक्षा के लिए जरूरी हैं। यूक्रेन इसका उदाहरण है। अगर उसके पास भी परमाणु ताकत होती तो रूस शायद ही उसके खिलाफ कार्रवाई करने की हिमाकत दिखा पाता?

अमेरिकी कार्रवाई के बाद दुनिया का एक वर्ग मानने लगा है कि ट्रंप के अगले निशाने पर उत्तरी कोरिया के तानाशाह किम जोंग हैं। लेकिन यह सोचने वालों को नहीं भूलना चाहिए कि उत्तर कोरिया परमाणु हथियार से संपन्न है। उस पर हाथ डालने से अमेरिकी हाथ जलने का अंदेशा ज्यादा है। वैसे भी अमेरिका ने जहां भी कार्रवाई की है।

कार्तिगई दीपम विवाद पर मद्रास हाईकोर्ट का फैसला सनातन विरोधियों की करारी हार है

नीरज कुमार दुबे

मद्रास हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी के दीपथून पर कार्तिगई दीपम जलाने की अनुमति को बरकरार रखा है। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह परंपरा सदियों पुरानी है और इसे रोकने का कोई संवैधानिक या कानूनी आधार नहीं है। अदालत ने साथ ही राज्य सरकार द्वारा कानून व्यवस्था के नाम पर लगाए गए प्रतिबंधों को निराधार और कल्पनाजन्य करार दिया। न्यायालय ने कहा कि जिस स्थान पर दीपम जलाया जाता है वह मंदिर से जुड़ी पारंपरिक धार्मिक व्यवस्था का हिस्सा रहा है। केवल आशंका के आधार पर किसी धार्मिक परंपरा को रोका नहीं जा सकता। अदालत ने यह भी रेखांकित किया कि धार्मिक स्वतंत्रता केवल निजी पूजा तक सीमित नहीं है बल्कि सामूहिक और सार्वजनिक धार्मिक अभिव्यक्तियां भी इसके अंतर्गत आती हैं।

हम आपको बता दें कि इस मामले में राज्य सरकार ने दलील दी थी कि दीपम जलाने से सामाजिक तनाव और कानून व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो सकती है। कोर्ट ने इस तर्क को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि प्रशासन का दायित्व भय पैदा करना नहीं बल्कि निष्पक्ष और साहसिक ढंग से कानून व्यवस्था बनाए रखना है। अदालत ने यह भी कहा कि यदि हर परंपरा को संभावित विवाद के नाम पर रोक दिया जाए तो संविधान में प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता केवल कागज पर रह जाएगी।

हम आपको बता दें कि याचिकाकताओं की ओर से यह तर्क रखा गया था कि कार्तिगई दीपम केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। इसे रोकने का प्रयास समाज में अनावश्यक विभाजन और असंतोष को जन्म देता है। कोर्ट ने इस तर्क से सहमति जताई और आदेश दिया कि परंपरागत रीति से दीपम जलाने की अनुमति दी जाए।

देखा जाये तो मद्रास हाईकोर्ट का यह निर्णय उस मानसिकता पर करारा प्रहार है जो हर हिंदू परंपरा को कानून व्यवस्था के नाम पर कटघरे में खड़ा करने की आदी हो चुकी है। आज सवाल यह नहीं है कि दीपम जलेगा या नहीं। सवाल यह है कि क्या बहुसंख्यक समाज की सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को हर बार डर और शक के चश्मे से देखा जाएगा? तमिलनाडु की द्रमुक सरकार का तर्क कि दीपम जलाने से अशांति फैल सकती है, दरअसल प्रशासनिक असफलता को छिपाने का तरीका है। अगर हर धार्मिक आयोजन से पहले सरकार को डर लगने लगे तो फिर शासन चलाने का नैतिक अधिकार किस बात का रह जाता है? अदालत ने ठीक ही कहा कि कल्पित भय के आधार पर मौलिक अधिकारों को कुचला नहीं जा सकता।

देखा जाये तो यह मामला उस व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा है जहां हिंदू धार्मिक परंपराओं को बार बार रोकने और सीमित करने का प्रयास किया जाता है। कभी शोर का बहाना बनाया जाता है, कभी पर्यावरण का तो कभी कानून व्यवस्था का। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से यही तर्क अन्य समुदायों के मामलों में अचानक गायब हो जाते हैं। यह दोहरा मापदंड समाज में असंतोष और अविश्वास को जन्म देता है। कार्तिगई दीपम का सामाजिक महत्व केवल आस्था तक सीमित नहीं है। यह पर्व सामूहिकता का प्रतीक है। पहाड़ी पर जलता दीप दूर दूर तक दिखाई देता है और समाज को जोड़ने का काम करता है। जब ऐसी परंपराओं को रोका जाता है तो संदेश जाता है कि बहुसंख्यक समाज की भावनाएं गौण हैं। यही भावना धीरे धीरे आक्रोश में बदलती है और फिर वही आक्रोश सामाजिक तनाव का रूप ले लेता है। इस फैसले का सबसे बड़ा सामाजिक प्रभाव यह है कि लोगों का यह विश्वास और प्रबल हुआ है कि न्यायपालिका संविधान की आत्मा को समझती है। अदालत के आदेश ने यह स्पष्ट कर दिया कि धर्मनिरपेक्षता का अर्थ यह नहीं है कि राज्य केवल एक धर्म के प्रति कठोर हो जाए और बाकी के प्रति नरम। सच्ची धर्मनिरपेक्षता सभी परंपराओं के साथ समान व्यवहार की मांग करती है। यह निर्णय प्रशासन के लिए भी चेतावनी है। उसे समझना होगा कि परंपराओं को दबाने से शांति नहीं आती बल्कि असंतोष भीतर ही भीतर सुलगता रहता है। बहरहाल, अगर आज अदालत ने दीपम जलाने के अधिकार की रक्षा नहीं की होती तो कल कोई और परंपरा इसी तरह प्रतिबंधों की भेंट चढ़ जाती। वैसे यह फैसला केवल एक धार्मिक जीत नहीं है। यह सांस्कृतिक आत्मसम्मान की पुनर्स्थापना है।

झारखंड

मौत को मात देकर लौटा चालक तीन घंटे तक ट्रैक्टर में फंसा रहा

GANDIV REPORTER

गिरिडीह। जिला के तिसरी प्रखंड के लोकाय थाना क्षेत्र में बुधवार की रात सड़क हादसा हुआ। करमाटांड के आगे पुल के पास एक ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे ट्रैक्टर चला रहा युवक उसके भारी भरकम इंजन के नीचे दबकर फंस गया। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग जुटे, तो सामने जिंदगी और मौत के बीच जंग जैसा मंजर था।

ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। अंधेरी रात, सीमित संसाधन और भारी इंजन के बावजूद किसी ने हिम्मत नहीं हारी। कुछ लोग चालक को संबल बंधाते रहे, तो कुछ लोग जेसीबी मंगाने की जुगत में लग गए। थोड़ी ही देर में पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और ग्रामीणों के साथ मिलकर रेस्क्यू अभियान शुरू किया। करीब तीन घंटे तक जेसीबी की मदद से ट्रैक्टर को सावधानी से हिलाने-उठाने की कोशिश चलती रही, ताकि अंदर फंसे चालक को कोई अतिरिक्त चोट न पहुंचे। हर हलचल के साथ लोगों की धड़कनें तेज हो जाती थीं, लेकिन हौसला और जज्बा कम नहीं हुआ। आखिरकार लगातार कोशिश रंग लाई और चालक को इंजन के नीचे से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

मौके पर मौजूद लोगों ने राहत की लंबी सांस ली। कई ग्रामीण भावुक हो उठे और इसे ईश्वर की मेहर व इंसानी जज्बे की जीत करार दिया। घायल चालक को आनन-फानन में प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए उसे जमुई रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार, उसकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

पांकी-मेदिनीनगर मुख्य पथ पर बह रहा नाली का पानी, आमजन परेशान

GANDIV REPORTER

पलामू। नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या 6 में चरकी भट्ठा के सामने से निकलने वाली नालियों का गंदा पानी खुलेआम पांकी-मेदिनीनगर मुख्य पथ पर बह रहा है, जिससे स्थानीय लोगों और राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि मोहल्ले से निकलने वाली नालियों का पानी पहले एक गड्ढे में जमा होता है और फिर बहते हुए सीधे पांकीझमेदिनीनगर मुख्य सड़क पर फैल जाता है। नाली का पानी बहने से दुर्गंध फैल रही है, जिससे आसपास के लोगों का रहना मुश्किल हो गया है। वहीं सड़क से गुजरने वाले वाहन चालकों और राहगीरों पर गंदे पानी के छींटे भी पड़ रहे हैं, जिससे लोगों में खासा नाराजगी देखने को मिल रही है।

बताया जाता है कि इसी स्थान पर कुछ समय पहले सड़क पर पानी जमा रहने के कारण बड़ा गड्ढा बन गया था, जिसकी मरम्मत कराई गई थी। हालांकि नाली का पानी दोबारा सड़क पर बहने लगा है, जिससे सड़क के बीचों-बीच फिर से गड्ढा बनने लगा है और दुर्घटना की आशंका भी बढ़ गई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस गंभीर समस्या पर न तो नगर निगम और न ही जनप्रतिनिधियों का कोई ध्यान जा रहा है। मोहल्लेवासियों ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द नाली की उचित निकासी की व्यवस्था की जाए, ताकि दुर्गंध और गंदे पानी से लोगों को निजात मिल सके।

सिंफर वैज्ञानिकों की नई पहल, छात्रों को कौशल विकास और पर्यावरण संरक्षण में बना रहे दक्ष

GANDIV REPORTER

धनबाद। सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ माइनिंग एंड फ्यूल रिसर्च देश के प्रमुख रिसर्च संस्थानों में से एक है। इस संस्थान के वैज्ञानिकों ने साइंस और स्किल डेवलपमेंट के क्षेत्र में स्टूडेंट्स के लिए एक नए अध्याय की शुरूआत की है। उनकी इस अनोखी पहल का मकसद स्टूडेंट्स को न सिर्फ किताबी ज्ञान देना है, बल्कि उनमें कौशल विकास को विकसित करना है ताकि वे पर्यावरण संतुलन को बेहतर बनाने की दिशा में योगदान दे सकें। यह पहल मध्य प्रदेश के इंदौर में दूषित पानी से होने वाली मौतों जैसी समस्याओं को हल करने में खास तौर पर असरदार साबित हो सकती है।

बीबीएमकेयू के जूलॉजी एमएससी के 35 छात्रों को सिंफर के वैज्ञानिक ट्रेनिंग दे रहे हैं। ट्रेनिंग का उद्देश्य कौशल

विकास के साथ उन्हें रोजगार से जोड़ना तो है ही साथ ही पर्यावरण को बेहतर बनाने की दिशा में एक पहल है। सिंफर के वैज्ञानिक, वाटर रिसोर्स, सॉयल क्वालिटी, बायोडाइसिटी, माइनिंग इंपैक्ट और इकोलॉजिकल डायवर्सिटी जैसे तमाम चीजों को प्रैक्टिकली बता जा रहे हैं। वर्तमान में पानी की समस्याओं और भविष्य में होने वाले कठिनाइयों की वैज्ञानिक तरीके से छात्रों को जानकारी दी जा रही है। यही नहीं उन कठिनाइयों से निजात के तरीके भी बताए जा रहें हैं।

सिंफर के सीनियर वैज्ञानिक डॉ सुदर्शन सिंह राठौर ने बताया कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों और उपकरण के इस्तेमाल से होने वाली क्षति की जानकारी दी जा रही है। जैसे पानी या मिट्टी में मौजूद हानिकारक तत्वों के बारे में बताया जा रहा है। हानिकारक तत्वों को कम करने के बारे में प्रैक्टिल के माध्यम से बताया जा रहा है। सिंफर में होने वाले रिसर्च और उसकी जरूरत की जानकारी दी जा रही है। माइनिंग के कारण हवा पानी और मिट्टी में बढ़ रहे प्रदूषण से निपटने को लेकर ट्रेनिंग दी जा रही है। ताकि इनके अंदर कौशल विकास हो सके। छात्र जब रोजगार से जुड़ेंगे उनके लिए यह काफी सहायक साबित होगा।

वैज्ञानिक डॉ जितेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि छात्रों का कौशल विकास करना है। बच्चे यहां से सीखेंगे तभी अपने समाज में जागरूकता फैला सकेंगे। किसी भी तरह की दिक्कत आने पर वह उसका सामना कर सकेंगे। अपने आस पास के लोगों को सुरक्षित रख सकेंगं। मध्य प्रदेश के इंदौर में प्रदूषित पानी पीने से हुई मौत जैसी घटना पर भी बहुत हद तक लगाम लग सकता है। पानी के बारे में जानकारी रहने पर इस भयावह हादसे को रोका जा सकता था। लेकिन जागरूकता की कमी के कारण लोगों की जान गई। छात्र यहां से सीखकर जाएंगे तो उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा और वह अपने इलाके में भी लोगों को जागरूक करेंगे। यही नहीं जिस क्षेत्र में भी ये कार्य करेंगे, वहां भी बेहतर तरीके से अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकेंगे।

वहीं छात्रा मेघा लाहिरी ने कहा कि यहां काफी कुछ सीखने को मिला है। अपने यूनिवर्सिटी में नहीं सिख पा रहे थे। जॉब में सीखी गई चीजें काफी मददगार साबित होगी। माइनिंग के साथ जूलॉजी को मर्ज कर सकेंगे। जॉब के ज्यादा अवसर मिल सकेंगे। इसके साथ ही पर्यावरण को संरक्षण के लिए क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए यह भी बताया गया है। पर्यावरण संरक्षण के लिए भी यह प्रशिक्षण काफी अच्छा है।

वहीं छात्रा राखी कुमारी ने कहा कि निजी जीवन के लिए भी यह ट्रेनिंग काफी महत्वपूर्ण है। आने वाली पीढ़ी को हम बेहतर वातावरण देने में सफल रहेंगे। जैसे पानी में उपलब्ध हानिकारक तत्व के कारण शरीर पर दुष्प्रभाव पड़ता है। कई तरह की बीमारियों से लोग ग्रसित हो रहें हैं। बीमारियों से बचने के लिए हमे तरीके बताए गए हैं।

छात्रा प्रीति कुमारी ने कहा कि कौशल विकास के लिए यह ट्रेनिंग बहुत ही ज्यादा जरूरी है। प्रैक्टिकल नॉलेज स्किल डेवलपमेंट के लिए काफी जरूरी है। उन्होंने कहा कि हम अपने आप को सौभाग्यशाली मानते हैं कि हमें वैज्ञानिकों के द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है। हम जो सीखकर जाएंगे उससे लोगों को भी जागरूक करने की जरूरत है।

RNI NO : JHABIL/2019/85684, Printed and Published by SHREE KANT SINGH on behalf of M/s PAHARI BABA VENTURES PVT LTD and Printed at KHABAR MANTRA PRESS, M/s VRINDA MEDIA PUBLICATIONS PVT LTD, Plot no-342,344 Chiroundi, Boreya Road, Ranchi, Jharkhand-834008 and Published at B-13, JP Market, Dhurwa, Ranchi-834004, Jharkhand, Ph.-06207706623. Editor- **Amarkant*** responsible for selection of news under the PRB Act.

हाई कोलेस्ट्रॉल से बढ़ता है हार्ट अटैक का रिस्क यह तीन सुपरफूड्स आज ही खाना शुरू कर दें

हार्ट संबंधी बीमारियां आजकल बहुत कॉमन होती जा रही हैं और इनके पीछे मुख्य वजह है बढ़ता कोलेस्ट्रॉल। एक तो लाइफस्टाइल भी कुछ ऐसा ही हो गया है, खानपान सही नहीं है, घंटों लोग बैठकर बिता देते हैं और तनाव भी काफी रहता है। सर्दियों में तो कोलेस्ट्रॉल लेवल और भी बढ़ा हुआ रहता है क्योंकि इन दिनों फिजिकल एक्टिविटी कोई खास होती नहीं और खानपान भी ज्यादा ऑयली हो जाता है। अच्छी बात ये है कि आपके घर में ही कुछ ऐसी चीजें मौजूद हैं, जिन्हें अपनी डाइट में शामिल कर के कोलेस्ट्रॉल लेवल को कंट्रोल में रखा जा सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट डिंपल जांगड़ा ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए ऐसे ही कुछ सुपरफूड्स के बारे में बताया है, जो कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में बहुत इफेक्टिव हैं।

लहसुन से कम होता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल लेवल को कंट्रोल में रखने के लिए लहसुन एक सुपरफूड है। दरअसल लहसुन में ह्यएलिसिनह्ल नामक कंपाउंड मौजूद होता है, जो लिवर में कोलेस्ट्रॉल के बनने को रोकता है। ये एलडीएल कोलेस्ट्रॉल, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद करता है, साथ ही शरीर में ब्लड सकुर्लेशन बेहतर बनाए रखता है। लहसुन को आप अपनी सब्जियों, सूप या दाल में डालकर खा सकते हैं। इसके अलावा सुबह खाली पेट अगर शहद में भिगोकर एक लहसुन की कली खाई जाए, तो बहुत फायदा होता है।

गुग्गुल भी है सुपरफूड

एक्सपर्ट के मुताबिक कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में गुग्गुल भी काफी फायदेमंद होती है। ये एक आयुर्वेदिक हर्ब है, जिसे मुकुल के पेड़ से निकाला जाता है। इसके अंदर एक कंपाउंड मौजूद होता है, जिससे ह्यगुग्गुलस्टीरॉनह्ल कहा जाता है। ये कोलेस्ट्रॉल कम करने और ट्राइग्लिसराइड लेवल कम करने में मदद करता है। इसके अलावा गुग्गुल में लिपिड फाइटिंग बेनिफिट्स भी मौजूद होते हैं। अगर आपका कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ रहता है, तो ये आयुर्वेदिक औषधि आपको अपनी डाइट में जरूर शामिल करनी चाहिए।

विंटर सुपरफूड आंवला

सर्दियों में आने वाला आंवला कोलेस्ट्रॉल कम करने के लिए सुपरफूड है। इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं। ये आपकी आर्टरीज में जमा प्लाक से लड़ने में मदद करता है, साथ ही कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड को कम करता है। ये आपकी इम्यूनिटी को भी मजबूत बनाता है और ओवरऑल हार्ट हेल्थ का ध्यान रखता है। आप आंवले को पाउडर के रूप में भी ले सकते हैं या साबुत आंवला खा सकते हैं। अगर आपको इससे किसी तरह की जलन या एलर्जी की समस्या नहीं होती है तो रोज सुबह एक आंवला जरूर खाना शुरू कर दें।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ रहता है, तो इन तीनों सुपरफूड्स को आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा प्लांट बेस्ड डाइट रखें और ज्यादा से ज्यादा होल फूड्स अपनी डाइट में शामिल करें। किसी तरह का तला-भुना, पैकेटबैंड, प्रोसेस्ड फूड जितना हो सके अवॉइड करें। ऐसा करने से आपका कोलेस्ट्रॉल लेवल भी कम होगा और हार्ट हेल्थ भी इंप्रूव होगी।

चेहरे का निखार होगा दोगुना जब गाजर का करेंगी इन पांच तरीकों से इस्तेमाल

सर्दियों में खिल उठेगी आपकी रंगत

सर्दियों का मौसम है और इस मौसम में सबसे ज्यादा जिन सब्जियों की भरमार होती है, उनमें से एक है गाजर। पोषक तत्वों और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर गाजर, खाने में भी बड़ी स्वाद होती है और लोग इसे अलग-अलग तरह से अपनी डाइट में शामिल करते हैं। पर क्या आप जानती हैं कि इस गाजर का इस्तेमाल आप ग्लोइंग स्किन पाने के लिए भी कर सकती हैं? जी हां, ये मामूली सी दिखने वाली गाजर आपकी स्किन को और ज्यादा खूबसूरत, बेदाग और चमकदार बनाने में बहुत कारगर हो सकती है। तो चलिए आज गाजर को स्किन केयर रूटीन के शामिल करने का सही तरीका जानते हैं ताकि इन सर्दियों में आपका चेहरा भी एकदम चांद सा निखर उठे।

गाजर से बनाएं हाइड्रेटिंग पैक : सर्दियों में स्किन का मॉइश्चर काफी कम हो जाता है जिसकी वजह से स्किन काफी ड्राई और डल लगने लगती है। ऐसे में अपनी रसोई में रखी गाजर से आप एक हाइड्रेटिंग फेस पैक तैयार कर सकती हैं, जो आपके चेहरे को सॉफ्ट और ग्लोइंग बनाए रखेगी। इसके लिए आधी गाजर को कद्दूकस कर लें। अब इसमें शहद और मलाई मिलाएं और अपने चेहरे पर मसाज करें। इसे थोड़ी देर के लिए अपने चेहरे पर लगा रहने दें और फिर गुनगुने पानी से फेस वॉश कर लें। कुछ ही दिनों के इस्तेमाल से आपको फर्क दिखने लगेगा।

गाजर से बनाएं टोनर : ग्लोइंग स्किन के लिए क्लींजिंग के बाद टोनर लगाने की सलाह दी जाती है। बाजार से महंगे टोनर खरीदने के बजाए आप घर पर ही इफेक्टिव टोनर बनाकर तैयार कर सकती हैं। इसके लिए आधा कप गाजर का रस, आधा कप चुकंदर का रस और एक छोटा चम्मच निम्बू का रस लें। इन सभी चीजों को स्प्रे बॉटल में भर कर रख लें और फेस वॉश करने के बाद कुछ देर के लिए स्किन पर लगाकर रखें और फिर चेहरा धो लें। अगर आपके स्किन सेंसेटिव है तो नींबू का इस्तेमाल करने से बचें।

गाजर से बनाएं स्किन टाइटनिंग फेस पैक : बढ़ती उम्र के साथ-साथ चेहरे की स्किन थोड़ी लटकना शुरू हो जाती है। ऐसे में स्किन को टोन और टाइट बनाए रखने के लिए आप गाजर से एक टाइटनिंग फेस पैक बनाकर तैयार कर सकती हैं। इसके लिए दो चम्मच दही में गाजर का जूस मिलाएं। अब इस मिक्सचर में अंडे की सफेदी डालकर अच्छे से फेंट लें। हफ्ते में दो से तीन बार इस पैक को लगाएं।

गाजर से बनाएं फेस वॉश : ग्लोइंग स्किन के लिए चेहरे को साफ रखने सबसे ज्यादा जरूरी है। इसके लिए आप गाजर से भी फेस वॉश तैयार कर सकती हैं। इसके लिए आपको गाजर के पाउडर की जरूरत होगी। एक कांच की शीशी में गाजर का पाउडर, मुल्तानी मिट्टी और चुटकी भर हल्दी पाउडर मिक्स कर के रख लें। अब जब भी फेस वॉश करना हो तो इसमें से थोड़ा सा पाउडर हाथ में लें और उसमें पानी मिलाकर पेस्ट बनाएं। इसे नॉर्मल फेस वॉश की तरह चेहरे पर रब करें और धो लें।

गाजर का जूस है फायदेमंद : हेल्दी ग्लोइंग स्किन के लिए सिर्फ बाहर से चीजें लगाना काफी नहीं बल्कि अंदर से भी स्किन को पोषण देना जरूरी है। ऐसे में आप गाजर के जूस को अपनी डेली डाइट का हिस्सा बना सकती हैं। इसमें चुकंदर और आंवला डालकर इसे और इफेक्टिव बनाया जा सकता है। इसके अलावा गाजर के जूस को आप कॉटन की मदद से साफ चेहरे पर अप्लाई कर सकती हैं। इसे सूखने के बाद अच्छे से वॉश कर लें। ग्लोइंग स्किन के लिए ये बहुत ही सिंपल और इफेक्टिव होम रेमेडी है।

ट्रैवलिंग के बाद पेट खराब इन चार टिप्स से करें सुधार

लंबी यात्रा के बाद पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे ब्लोटिंग, कब्ज, और एसिडिटी होना आम बात है। ट्रैवल के दौरान लगातार बैठने और खानपान में बदलाव से डाइजेशन पर असर पड़ता है। इन समस्याओं से बचने और गट हेल्थ सुधारने के लिए कुछ आसान टिप्स को अपनाया जा सकता है।

1. त्रिफला का सेवन करें

त्रिफला पाचन तंत्र को मजबूत करता है और पेट साफ रखने में मददगार है। अगर यात्रा के दौरान या बाद में कब्ज और ब्लोटिंग की समस्या हो रही हो, तो त्रिफला चूर्ण का सेवन करें। ट्रैवल से पहले और बाद में इसे लेने से डाइजेशन बेहतर रहता है।

2. हल्का भोजन करें

यात्रा के दौरान भारी और मसालेदार खाने से बचें, क्योंकि लगातार बैठे रहने से यह पच नहीं पाता। इससे पेट में गैस और एसिडिटी की दिक्कत हो सकती है। यात्रा के बाद भी हल्का और सुपाच्य भोजन करें ताकि गट हेल्थ सही बनी रहे।

3. पर्याप्त पानी पिएं

डिहाइड्रेशन पाचन समस्याओं का मुख्य कारण है। ट्रैवल के दौरान अक्सर पानी कम पिया जाता है, जिससे ब्लोटिंग और एसिडिटी बढ़ जाती है। यात्रा के बाद अधिक पानी पिएं और लिक्विड डाइट जैसे सूप या नारियल पानी को अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

4. वॉक व हल्का व्यायाम करें

ट्रैवलिंग के बाद अपने रूटीन में हल्का वर्कआउट या वॉक जरूर शामिल करें। खाने के बाद 15-20 मिनट की वॉक डाइजेशन को बेहतर बनाती है और गट हेल्थ सुधारती है। यह पाचन से जुड़ी दिक्कतों को दूर रखने में मदद करता है। ट्रैवलिंग के बाद गट हेल्थ का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। त्रिफला का सेवन, हल्का भोजन, पानी की पर्याप्त मात्रा और वॉक जैसी आदतें अपनाकर आप पाचन तंत्र को स्वस्थ रख सकते हैं और यात्रा का आनंद बिना किसी परेशानी के ले सकते हैं।

माघ मेला : हर दिन लाखों की संख्या में श्रद्धालु पुण्य की लगाने के लिए पहुंच रहें हैं. अध्यात्म के साथ पर्यटन का अनूठा संगम बन रही है

उत्तर भारत में शीतलहर से हाल बेहाल

आईएमडी की चेतावनी कई राज्यों में बारिश का अलर्ट

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। उत्तर भारत इन दिनों कड़ाके की ठंड और शीतलहर की चपेट में है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ दिनों तक शीतलहर का असर बना रहेगा। उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में तापमान 0 से 5 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड में गलन वाली ठंड लोगों को परेशान कर रही है। छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में भी शीतलहर का प्रकोप जारी है। दक्षिण भारत के कई हिस्सों में आने वाले दिनों में बारिश का दौर देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, 9 से 11 जनवरी के बीच तमिलनाडु और पुडुचेरी में बारिश होने की संभावना है।

खबरों के अनुसार, उत्तर भारत इन दिनों कड़ाके की ठंड और शीतलहर की चपेट में है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ दिनों तक शीतलहर का असर बना रहेगा। उत्तर खंड के कुछ हिस्सों में तापमान 0 से 5 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड में गलन वाली ठंड लोगों को परेशान कर रही है। छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में भी शीतलहर का प्रकोप जारी है। दक्षिण भारत के कई हिस्सों में आने वाले दिनों में बारिश का दौर देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, 9 से 11 जनवरी के बीच तमिलनाडु और पुडुचेरी में बारिश होने की संभावना है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का न्यूनतम तापमान करीब 5 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। मौसम विभाग ने कोल्ड डे का अलर्ट जारी किया है। उत्तर से लेकर पूर्वी भारत तक मौसम का मिजाज तल्ख बना हुआ है। जम्मू-कश्मीर समेत पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों के ऊंचाई वाले इलाकों में बारिश के साथ बर्फबारी हो रही है। दक्षिण भारत के कई हिस्सों में आने वाले दिनों में बारिश का दौर देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, 9 से 11 जनवरी के बीच तमिलनाडु और पुडुचेरी में बारिश होने की संभावना है। उत्तर भारत से लेकर पूर्वी भारत तक कड़ाके की ठंड और कोहरे का असर साफ दिख रहा है। दिल्ली-एनसीआर में पहाड़ों की बर्फबारी का असर महसूस किया जा रहा है, वहीं झारखंड, हरियाणा और पश्चिम बंगाल में शीतलहर और घना कोहरा जनजीवन को प्रभावित कर रहा है।

उत्तर प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे का प्रकोप लगातार जारी है, लेकिन गुरुवार के बाद प्रदेशवासियों को ठंड से थोड़ी राहत मिलने के आसार हैं। हरियाणा और पंजाब में तेज ठंड पड़ रही है और कुछ हिस्सों में तापमान पांच डिग्री सेल्सियस से भी नीचे पहुंच गया है। पश्चिम बंगाल के कई जिलों में अगले तीन से पांच दिनों तक भीषण ठंड की स्थिति बने रहने की आशंका है। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे रहेगा।

झारखंड में इन दिनों हाड़ कंपाने वाली ठंड पड़ रही है। राज्य के लगभग सभी जिलों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है। खूंटी, रांची, बोकारो, चाईबासा, डाल्टनगंज और लोहरदगा सहित कई जिलों में शीतलहर चलने से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है।

राजधानी पटना में 10 स्टेशन के बीच चलेगी बिहार की पहली वाटर मेट्रो

GANDIV REPORTER

पटना। बिहार वालों के लिए गुड न्यूज है। जल्द ही उन्हें पहली राज्य की पहली वाटर मेट्रो की सौगात मिल सकती है। वाटर मेट्रो राजधानी पटना में चलेगी। गंगा नदी के किनारे घाटों पर वाटर मेट्रो के लिए निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना के तहत फिलहाल 10 वाटर मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे, जिससे खास तौर पर दियारा इलाके के लोगों को राहत मिलेगी। कम समय और कम खर्च में आवागमन संभव हो सकेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पटना वाटर मेट्रो परियोजना के लिए करीब 769 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 45 किलोमीटर लंबाई की डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) तैयार की गई है। इस संबंध में कोच्चि मेट्रो रेल लिमिटेड ने अपनी फिजिबिलिटी रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंप दी है। अब निर्माण प्रक्रिया और लागत वहन को लेकर जिम्मेदारियां तय की जानी हैं। परियोजना में एक तकनीकी पहलू यह है कि जल परिवहन केंद्र सरकार के अधीन आता है, जबकि गंगा नदी के जल प्रबंधन की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है। ऐसे में दोनों के बीच समन्वय के बाद ही आगे की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जाएगा। इन 10 घाटों पर बनेंगे वाटर मेट्रो स्टेशन

पटना में प्रस्तावित वाटर मेट्रो के लिए जिन 10 घाटों को स्टेशन के रूप में विकसित किया जाएगा, उनमें- पानापुर, फक्कर महतो घाट, नारियल घाट, दीघा घाट, गांधी घाट, गाय घाट, कोनहारा घाट, काली घाट, कंगन घाट और चेचर घाट शामिल हैं। पटना वाटर मेट्रो को कोच्चि वाटर मेट्रो की तर्ज पर विकसित करने की तैयारी है। कोच्चि में वाटर मेट्रो का किराया तीन रुपये प्रति किलोमीटर है, हालांकि कम दूरी के लिए न्यूनतम 20 रुपये और अधिकतम 40 रुपये का टिकट तय है।

राजधानी कोलकाता में ईडी रेड पर बवाल

सुवेंदू अधिकारी ने ममता पर केंद्रीय एजेंसी के काम में हस्तक्षेप का आरोप लगाया

GANDIV REPORTER

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गुरुवार को कोलकाता व्हअउ के दफ्तर में छापेमारी पर जमकर बवाल हुआ। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी ईडी के छापेमारी के दौरान पहुंच गई और रेड को लेकर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने ईडी पर अमित शाह के इशारे पर टीएमसी से जुड़े दस्तावेजों को ले जाने का आरोप लगाया। इस बीच भाजपा नेता सुवेंदू अधिकारी ने ममता पर केंद्रीय एजेंसी के काम में हस्तक्षेप का आरोप लगाया।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि क्या एऊ अमित शाह का काम पार्टी की हार्ड डिस्क, कैंडिडेट लिस्ट इकट्ठा करना है? यह गृह मंत्री जो देश की रक्षा नहीं कर सकता और मेरे पार्टी के सारे डॉक्यूमेंट्स ले जा रहा है।

उन्होंने कहा कि अगर मैं बीजेपी पार्टी ऑफिस पर रेड करूं तो क्या होगा? एक तरफ, वे पश्चिम बंगाल में रक्फ़करवाकर सभी वोटर्स के नाम हटा रहे हैं। चुनावों की वजह से, वे मेरी पार्टी के बारे में सारी जानकारी इकट्ठा कर रहे हैं।

इस पर पलटवार करते हुए सुवेंदू अधिकारी ने ममता बनर्जी पर केंद्रीय जांच एजेंसी के काम में हस्तक्षेप का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया कि आईपीएसी के दफ्तर में वोटिंग लिस्ट क्यों है? गौरतलब है कि प्रवर्तन निदेशालय भारत भर में 15 जगहों पर तलाशी ले रहा है। यह तलाशी एक संगठित गिरोह के खिलाफ फर्जी सरकारी नौकरी घोटाले के सिलसिले में की जा रही है, जो लोगों को फर्जी नौकरियां देकर ठगी कर रहा था।

बिहार में शीतलहर से अगले 2 दिन तक राहत नहीं

GANDIV REPORTER

पटना। बिहार मौसम सेवा केंद्र (बीएमएसके) ने गुरुवार को राज्य में अगले दो दिनों तक शीतलहर की स्थिति बने रहने की संभावना जताई है। बीएमएसके के अनुसार, राज्य के अधिकतर जिलों में कम तापमान के साथ मध्यम से तेज गति से हवा चलने के कारण ठिठुरन बनी रहेगी। हालांकि राजधानी पटना समेत कुछ जिलों में गुरुवार को धूप खिली, लेकिन इस धूप से तपिश काफी कम महसूस हुई। ठंडी हवाओं के आगे सूर्य की किरणें भी कमजोर पड़ती दिखीं।

भागलपुर से पूर्णिया वाले दो दिन होशियार! : बीएमएसके के आंकड़ों के मुताबिक, गया जिले के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के सबसे कम तापमानों में से एक है। राजधानी पटना में पारा 9 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया, जबकि भागलपुर जिले के सबौर क्षेत्र में 4.6 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से काफी नीचे है।

अगले दो दिन और गिर सकता है पारा : बीएमएसके के ताजा पूवार्नुमान के अनुसार, राज्य में न्यूनतम तापमान अगले दो दिनों में चार डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है, जिससे शीतलहर की तीव्रता और बढ़ने की आशंका है। तापमान में गिरावट के साथ-साथ घने कोहरे की समस्या भी गंभीर होती जा रही है। पटना, दरभंगा, बेगूसराय और आसपास के कई जिलों में दृश्यता काफी कम हो गई, जिससे सड़क और रेल परिवहन प्रभावित हुआ है। यात्रियों को देरी, ट्रेनें रद्द होने और हादसों की आशंका के चलते भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

जानिए कैसा रहेगा तापमान का हाल : पटना मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अगले 5 दिन तक राज्य में अधिकतम तापमान 16 से 18 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। वहीं बात अगर न्यूनतम तापमान की करें तो इसके 6 से 10 डिग्री के बीच रहने का पूवार्नुमान है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि बृहस्पतिवार से कोहरे की स्थिति और खराब हो सकती है, जबकि शीतलहर कम से कम 14 जनवरी तक रहने की संभावना है।

अमेरिका पर गिरा दो परमाणु बम, पुतिन के करीबी नेता ने डोनाल्ड ट्रंप को हड़काया

GANDIV REPORTER

मॉस्को। अमेरिका के रूसी तेल टैंकर जब्द करने के बाद मॉस्को का खून उबल रहा है। पुतिन समर्थक इसे अमेरिका का दुस्साहस बता रहे हैं। अमेरिका ने वेनेजुएला से रूसी झंडे वाले टैंकर को जब्त कर लिया है। जिसके बाद मॉस्को के एक बड़े अधिकारी ने अमेरिका को न्यूक्लियर कार्रवाई की धमकी दी है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीबी समर्थक एलेक्सी जुरावलेव, जो रूसी स्टेट ड्यूमा की रक्षा समिति के पहले डिप्टी हेड हैं, उन्होंने अमेरिका को जोरदार अंदाज में धमकी दी है। उन्होंने कहा है कि ह्वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार करने के बाद अमेरिका उत्साहित है और हमें जवाब देना होगा, टॉरपीडो से हमला करें या कुछ अमेरिकी नावों को डूबो दें। रूसी अधिकारी ने तेल टैंकर को जब्त किए जाने के वाकये को समुद्री डकैती करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह असल में रूसी क्षेत्र पर हमले जैसा ही है, क्योंकि टैंकर पर हमारा राष्ट्रीय झंडा लगा हुआ था। एलेक्सी जुरावलेव ने रूस को धमकी देते हुए कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि हमें मजबूती और तेजी से जवाब देना होगा, हमारा मिलिट्री सिद्धांत तो ऐसे हमले के जवाब में न्यूक्लियर हथियारों के इस्तेमाल की भी बात करता है।

तेल टैंकर को लेकर रूस-अमेरिका में तनाव तेज

आपको बता दें कि अटलांटिक महासागर में करीब दो हफ्ते तक पीछा करने के बाद अमेरिकी सैनिकों ने जंग लगे मेरिनेरा टैंकर पर कब्जा कर लिया है। जिसके बाद क्रू मलिन के अधिकारियों में भारी गुस्सा है। इस तेल टैंकर का जब्त होना रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की बहुत बड़ी बेइज्जती मानी जा रही है। वहीं, रूस के सीनियर सांसद आंद्रेई अलेक्जेंड्रोविच क्लिशस ने गुस्से में प्रतिक्रिया देते हुए इस चौंकाने वाला वाकया बताया है। उन्होंने तेल टैंकर पर अमेरिकी कब्जे को खुलेआम समुद्री डकैती का कामह्व कहा है। दूसरी तरफ अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा है कि वेनेजुएला के तेल पर नाकाबंदी पूरी तरह से लागू है। उन्होंने रूस से जुड़े तेल टैंकर को जब्त करने को लेकर कहा कि हमारी सेना ऐसा करना जारी रखने के लिए तैयार है। उन्होंने आगे कहाः जब राष्ट्रपति बोलते हैं, तो उनका मतलब वही होता है। वह मजाक नहीं कर रहे हैं।

अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा कि हम अपने हितों को आगे बढ़ाने के लिए कार्रवाई करने वाली सरकार हैं और ये पूरी तरह से दिख रहा है। आपको बता दें कि वेनेजुएला से निकले इस तेल टैंकर की रक्षा के लिए रूस ने अपनी पनडुब्बी को भी भेज दिया था, बावजूद इसके अमेरिकी नौसेना ने तेल टैंकर पर कब्जा कर लिया है। जिसपर रूस के ट्रांसपोर्ट मंत्री ने भी बयान जारी करतके हुए अमेरिका की कार्रवाई को समुद्री कानून का खुला उल्लंघन करार दिया है। उन्होंने कहा है कि अमेरिकी नौसेना के चढ़ने के बाद जहाज से संपर्क टूट गया है।

मरीनेरा ऑयल टैंकर मामला : गुस्से से लाल हुए पुतिन, होगा बड़ा बवाल?

GANDIV REPORTER

मास्को। अटलांटिक महासागर के बीचों-बीच घने कोहरे और बर्फीली हवाओं के बीच एक ऐसी घटना घटी है जिसने वाशिंगटन से लेकर मॉस्को तक हड़कंप मचा दिया है। यह कोई हॉलीवुड फिल्म का सीन नहीं है बल्कि दुनिया की दो सबसे बड़ी महाशक्तियों के बीच समंदर में हुई एक असल लुका छिपी का क्लाइमेक्स है। हफ्तों तक पीछा चला। अमेरिका ने एक बड़ा दांव खेला है और रूस के झंडे वाले एक तेल टैंकर को जब्त कर लिया। अमेरिकी सेना और होमलैंड सिक्योरिटी ने नॉर्थ अटलांटिक यानी उत्तरी अटलांटिक महासागर में एक रूसी तेल टैंकर को अपने कब्जे में ले लिया है। इस जहाज का नाम मरीनेरा है। यह घटना स्कॉटलैंड के तट के पास हुई है। लेकिन इसकी शुरूआत वेनेजुएला से हुई। दरअसल, मरीनेरा नाम का यह जहाज जिसे पहले बेला वन के नाम से जाना जाता था। पिछले कई हफ्तों से अमेरिकी कोस्ट गार्ड के रडार पर था। अमेरिका का आरोप है कि यह जहाज वेनेजुएला पर लगे प्रतिबंधों यानी सेंशंस को तोड़कर वहां से तेल की तस्करी कर रहा था। आपको याद होगा कि अमेरिका ने वेनेजुएला पर तेल के व्यापार को लेकर कड़ी नाकेबंदी यानी ब्लॉकेड लगा रखी है। हाल ही में अमेरिका ने वेनेजुएला में एक बड़ा मिलिट्री ऑपरेशन भी चलाया और निकोलस माधुरों को पकड़ लिया गया था। इस पूरे घटनाक्रम के बाद से ही अमेरिका की नजर उन जहाजों पर थी जो वेनेजुएला के तेल को दुनिया के बाजार में बेचने की कोशिश कर रहे थे। यह जहाज बेला वन जून 2024 से ही अमेरिका की ब्लैक लिस्ट में था। लेकिन इसने अमेरिकी रडार से बचने के लिए एक शातिर चाल चली। इसने अपना नाम बदला, अपना झंडा बदला और बोला वन से मरीनेरा बन गया। इतना ही नहीं इसने रूस का झंडा लगा लिया ताकि अमेरिका इस पर हाथ डालने से पहले 10 बार सोचे। यह जहाज वेनेजुएला के पास से निकला और अमेरिकी कोस्ट गार्ड ने इसका पीछा करना शुरू किया। स्कॉटलैंड के पास नॉर्थ अटलांटिक के ठंडे पानी में अमेरिकी अधिकारियों ने इसे घेर लिया और जब्त कर लिया। अमेरिका के डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेक्सेथ ने इस ऑपरेशन के बाद साफ शब्दों में कहा है कि वेनेजुएला के तेल पर लगी नाकेबंदी पूरी तरह लागू रहेगी।

ऑस्ट्रेलिया पांचवा टेस्ट जीता, एशेज 4-1 से अपने नाम की

GANDIV REPORTER

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार को यहां पांचवें और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में पांच विकेट से जीत हासिल करके एशेज श्रृंखला 4-1 से अपने नाम की।

ऑस्ट्रेलिया ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार को यहां पांचवें और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में पांच विकेट से जीत हासिल करके एशेज श्रृंखला 4-1 से अपने नाम की। पहली पारी में 384 रन बनाने वाली इंग्लैंड की टीम जैकब बेथेल के 154 रन के बावजूद खेल के पांचवें और अंतिम दिन अपनी दूसरी पारी में 342 रन पर आउट हो गई।

इस तरह से पहली पारी में 567 रन बनाकर 183 रन की बढ़त हासिल करने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम को जीत के लिए 160 रन का लक्ष्य मिला। लगातार विकेट गिरने और एक विवादास्पद डीआरएस समीक्षा के बाद तनाव बढ़ता गया, लेकिन एलेक्स कैरी ने विजयी रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को 31.2 ओवर में पांच विकेट पर 161 रन तक पहुंचा दिया। कैरी 16 रन और कैमरन ग्रीन 22 रन बनाकर नाबाद रहे।

यह 39 वर्षीय उस्मान ख्वाजा का आखिरी टेस्ट मैच था और इस तरह से उन्होंने जीत के साथ

संन्यास लिया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले तीन टेस्ट जीतकर एशेज पहले ही अपने नाम सुरक्षित कर ली थी। इंग्लैंड ने मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट में जीत हासिल की थी। ऑस्ट्रेलिया ने इस श्रृंखला में प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया। उसकी तरफ से मिचेल स्टार्क ने 31 विकेट लिए। ट्रैविस हेड ने तीन शतक लगाए और कुल 629 रन बनाए, जबकि विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने 28 शिकार (कैच और स्टंप) किए।

चोटिल पैट कमिंस की अनुपस्थिति में पांच में से चार टेस्ट मैचों में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान रहे स्टीव स्मिथ ने व्यक्तिगत योगदान के बारे में कहा, यह शानदार रहा है। मुझे लगता है कि हर किसी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। निश्चित तौर पर स्टार्क, हेड और कैरी ने बेहद प्रभावशाली प्रदर्शन किया लेकिन अन्य खिलाड़ियों ने भी श्रृंखला के दौरान अलग-अलग समय पर अच्छा प्रदर्शन किया और यही एक अच्छी टीम की पहचान है। स्टीव स्मिथ (12) के विल जैक्स की गेंद पर आउट होने के बाद ख्वाजा क्रीज पर आए। उस समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर तीन विकेट पर 92 रन था। पिच की ओर जाते समय इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। उन्होंने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स से हाथ मिलाया और फिर अपने साथी खिलाड़ी मार्नस लाबुशेन को गले लगाया। उन्होंने रिवर्स स्वीप से चौका लगाकर अपना खाता खोला और फिर दो रन लिए। लाबुशेन को 20 रन के निजी योग पर जीवनदान मिला जब बेथेल ने उनका आसान कैच छोड़ दिया। लाबुशेन ने इसका फायदा उठाकर जैक्स के अगले ओवर में 16 रन बनाए। लेकिन तभी ख्वाजा ने जोश टोंग की गेंद अपने विकटों पर खेल दी। इस तरह से उनकी आखिरी पारी सात गेंदों तक चली और उन्होंने सिर्फ छह रन बनाए। उन्होंने मैदान पर बने थैंक यू उजी के साइन के सामने घुटने टेककर जमीन को चूमा और 88 टेस्ट मैचों के बाद आखिरी बार पवेलियन लौट गए। इसके बाद लाबुशेन 40 गेंदों पर 37 रन बनाकर रन आउट हो गए। उन्होंने मिड-ऑफ की तरफ ड्राइव किया और एक रन लेने के लिए दौड़े, लेकिन कैरी ने उन्हें वापस भेज दिया। उस समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर पांच विकेट पर 121 रन था। इसके बाद कैरी और ग्रीन ने ऑस्ट्रेलिया को लक्ष्य तक पहुंचाया। स्मिथ ने कहा, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप को देखते हुए हम हर टेस्ट मैच के महत्व को जानते हैं, इसलिए यहां जीत हासिल करना और श्रृंखला का शानदार अंत करना बेहद खुशी की बात है। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा, यह हार पचा पाना मुश्किल है। हम इससे बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने प्रत्येक मैच में अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन ईमानदारी से कहूं तो अपनी हार के लिए कुछ हद तक हम भी जिम्मेदार हैं।

इससे पहले इंग्लैंड में पांचवें दिन सुबह अपनी दूसरी पारी आठ विकेट पर 302 रन से आगे बढ़ाई और 40 रन जोड़कर अपने बाकी बचे दोनों विकेट गंवाए। स्टार्क ने बेथेल और टोंग (06) को आउट करके इंग्लैंड की पारी समाप्त की। स्टार्क को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी दूसरी पारी की शुरूआत तेज गति से की और पहले ओवर में ही 10 रन बना लिए, जिसमें हेड के दो चौके भी शामिल थे। हेड 29 रन बनाकर सीमा रेखा के पास कैच आउट हो गए। पहली पारी में 163 रन बनाने वाले हेड को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। उनके साथी सलामी बल्लेबाज जेक वेदरल्ड को 16 रन के निजी योग पर विवादास्पद डीआरएस निर्णय से जीवनदान मिला। उन्होंने टोंग की गेंद पर आउट होने से पहले 34 रन बनाए। निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) ने श्रृंखला के आखिरी दिन भी इंग्लैंड का साथ नहीं दिया। जब ऑस्ट्रेलिया का स्कोर बिना किसी नुकसान के 33 रन था तब वेदरल्ड ने ब्रायडन कार्स की गेंद पर शॉट खेलने के प्रयास में विकेटकीपर को कैच दे दिया, लेकिन अंपायर अहसान रजा ने अपील ठुकरा दी।

संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं : गेंदबाज मिशेल स्टार्क

GANDIV REPORTER

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने गुरुवार को एसईएन क्रिकेट को बताया कि उनका निकट भविष्य में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। स्टार्क की यह टिप्पणी तब आई जब ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए पांचवें टेस्ट में इंग्लैंड को पांच विकेट से हराकर एशेज सीरीज 4-1 से अपने नाम कर ली। स्टार्क, जो सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे, ने बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली टीम के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की एशेज जीत में अहम भूमिका निभाई। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने 10 पारियों में 19.93 के शानदार औसत से 31 विकेट लिए, जिसमें दो बार पांच विकेट लेने का कारनामा भी शामिल है। गेंदबाजी के अलावा, स्टार्क ने बल्ले से 156 रन बनाए, जिसमें दो अर्धशतक भी शामिल हैं। एडिलेड टेस्ट खेलने वाले अनुभवी तेज गेंदबाज पैट कमिंस और चोट के कारण बाहर हुए जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति में स्टार्क ने जिम्मेदारी संभाली। एशेज में जीत के बाद एसईएन क्रिकेट से बात करते हुए स्टार्क ने बताया कि उन्होंने संन्यास के बारे में नहीं सोचा है और वे टीम में कई तरह से योगदान देना चाहते हैं। 35 वर्षीय स्टार्क ने आगे कहा कि ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करते हुए वे अपना पूरा जोर लगाना चाहेंगे।

स्टार बल्लेबाज तिलक वर्मा को गंभीर चोट

सफल सर्जरी के बाद भी न्यूजीलैंड सीरीज से होंगे बाहर

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 की तैयारियों में जुटी भारतीय टीम को एक बड़ा झटका लगा है। मध्यक्रम के भरोसेमंद बल्लेबाज तिलक वर्मा विजय हजारे ट्रॉफी के दौरान चोटिल हो गए हैं। हालांकि डॉक्टरों का कहना है कि चोट ज्यादा गंभीर नहीं है, लेकिन रिकवरी के समय को देखते हुए उनके 21 जनवरी से शुरू होने वाली न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज से बाहर रहने की पूरी संभावना है। तिलक की गैरमोजूदगी ने चयनकर्ताओं के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। ऐसे में शिवम दुबे और रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ियों का साथ देने के लिए तीन प्रमुख नाम लाइक-फॉर-लाइक रिप्लेसमेंट के तौर पर उभर कर सामने आए हैं। आइए उन तीन प्लेयर्स के बारे में आपको बताते हैं।

1. देवदत्त पडिक्कल : तिलक वर्मा की ही तरह देवदत्त पडिक्कल भी बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और वर्तमान में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं। विजय हजारे ट्रॉफी में कर्नाटक के लिए खेलते हुए पडिक्कल ने 7 पारियों

में 91.42 की औसत से 620 रन कूट डाले हैं। इससे पहले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी उनका स्ट्राइक रेट 167.02 का रहा था। उनकी वर्तमान लय को देखते हुए वे तिलक की जगह लेने के सबसे प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं।

2. ऋतुराज गायकवाड़ : महाराष्ट्र के ऋतुराज गायकवाड़ के लिए यह वापसी का एक बड़ा मौका हो सकता है। हाल ही में साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बावजूद उन्हें न्यूजीलैंड वनडे टीम में जगह नहीं मिली थी, जिस पर काफी विवाद भी हुआ था। गायकवाड़ आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए ओपनिंग और मध्यक्रम दोनों में खुद को साबित कर चुके हैं। उनकी तकनीक और अंतरराष्ट्रीय अनुभव टीम इंडिया के मध्यक्रम को मजबूती दे सकता है।

3. श्रेयस अय्यर : दिसंबर 2023 के बाद से टी20 इंटरनेशनल टीम से बाहर चल रहे श्रेयस अय्यर अब पूरी तरह फिट हैं। उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई के लिए वापसी करते हुए हिमाचल प्रदेश के खिलाफ मात्र 53 गेंदों पर 82 रनों की तूफानी पारी खेली। अय्यर के पास न केवल मध्यक्रम का गहरा अनुभव है, बल्कि आईपीएल में कप्तानी करने के कारण उनके पास दबाव झेलने की भी अद्भुत क्षमता है। तिलक की चोट उनके लिए टी20 टीम के दरवाजे फिर से खोल सकती है।

23 वर्षीय तिलक वर्मा को राजकोट में तेज दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल ले जाया गया। वे विजय हजारे ट्रॉफी के लिए हैदराबाद टीम के साथ राजकोट में थे। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने बताया कि तिलक वर्मा ने राजकोट में अंडकोष में तेज दर्द की शिकायत की, जहां वे विजय हजारे टूर्नामेंट के लिए हैदराबाद टीम का हिस्सा हैं। उन्हें गोकुल अस्पताल ले जाया गया, जहां स्कैन में अंडकोष में मरोड़ (अचानक, तेज दर्द) का पता चला और तत्काल सर्जरी की सलाह दी गई। उन्होंने आगे बताया कि हमने अपने विशेषज्ञों से भी राय ली, जिन्होंने इस बात से सहमति जताई। तिलक की सर्जरी सफल रही और अब वे ठीक हैं। चिकित्सा समिति से चर्चा के बाद जैसे ही हमें उनके स्वास्थ्य में सुधार और खेल में वापसी के संभावित समय के बारे में अधिक जानकारी मिलेगी, हम आपको अपडेट करेंगे। तिलक का न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से बाहर होना तय है। भारतीय क्रिकेट टीम प्रबंधन संभावित विकल्पों की तलाश में है, वहीं इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि शुभमन गिल को टीम में शामिल किए जाने की संभावना कम है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि चयनकर्ताओं का मानना है कि मौजूदा टेस्ट और वनडे कप्तान को टीम में शामिल करना और उन्हें मैच न खेलने देना 'अजीब' होगा। इसके अलावा, चयनकर्ता ऐसी स्थिति से बचना चाहते हैं जहां तिलक के टी20 सीरीज के उत्तरार्ध तक ठीक हो जाने पर गिल को टीम से बाहर करना पड़े।

हरमनप्रीत कौर का रिकॉर्ड तोड़ना मुश्किल, चार पांच साल और खेल सकती है : झूलन

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। भारत की महान तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी का मानना है कि महिला वनडे विश्व कप और दो डब्ल्यूपीएल ट्रॉफी जीतने वाली हरमनप्रीत कौर की कप्तानी का रिकॉर्ड टूटना मुश्किल है और वह अगले चार पांच साल और खेल सकती है।

भारत की महान तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी का मानना है कि महिला वनडे विश्व कप और दो डब्ल्यूपीएल ट्रॉफी जीतने वाली हरमनप्रीत कौर की कप्तानी का रिकॉर्ड टूटना मुश्किल है और वह अगले चार पांच साल और खेल सकती है। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारत ने वनडे विश्व कप जीता लेकिन इससे पहले वह अपनी कप्तानी में मुंबई इंडियंस को डब्ल्यूपीएल खिताब दिला चुकी हैं। मुंबई की गेंदबाजी कोच और मेंटोर झूलन ने पीटीआई से कहा ,ह्यह्य उसने भारतीय क्रिकेट और मुंबई इंडियंस के लिये जो किया है , वह अद्भुत है। मुझे नहीं लगता कि निकट भविष्य में कोई उसका रिकॉर्ड तोड़ सकता है। वह विश्व कप विजेता पहली भारतीय महिला कप्तान है और दो डब्ल्यूपीएल ट्रॉफी भी जीत चुकी है। उम्मीद है कि आने वाले समय में और भी जीतेगी। झूलन ने यह भी कहा कि विश्व कप जीतने के बाद उनके , मिताली राज, अंजुम चोपड़ा और रीमा मल्होत्रा जैसे पूर्व क्रिकेटरों के साथ जश्न मनाना पहले से सोचा हुआ नहीं था।

उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि उस समय हमने कुछ बात की। बस जज्बात उमड़ रहे थे। मैं हरमन, स्मृति (मंधाना) और पूरी टीम को इसके लिये धन्यवाद देती हूं। यह पहले से तय नहीं था। हम प्रसारण से जुड़े थे और प्रोड्यूसर ने कहा कि जब टीम दर्शकों को धन्यवाद दे रही है तो हम एक या दो सवाल पूछ सकते हैं। लेकिन ये लड़कियां जिस तरह से हमारे पास आई और जश्न मनाया, मुझे नहीं लगता कि भारतीय क्रिकेट या किसी अन्य खेल ने इस तरह का कुछ कभी देखा है।

9 महीने बाद खत्म हुआ भारतीय फुटबॉल का सूखा

आईएसएल : 14 फरवरी से शुरू होगा एक्शन

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। इंडियन सुपर लीग की 14 फरवरी से वापसी हो रही है, जो एआईएफएफ द्वारा 25 करोड़ के केंद्रीय कोष और नए होम-अवे फॉर्मेट की घोषणा के बाद संभव हुआ है। यह फैसला नौ महीने से चल रहे वित्तीय और प्रशासनिक संकट को समाप्त करता है, हालांकि लीग के लिए एक स्थायी वाणिज्यिक साझेदार ढूंढना अभी भी एक बड़ी चुनौती है। भारतीय फुटबॉल को आखिरकार लंबे इंतजार के बाद नई शुरूआत मिलने जा रही है। बता दें कि इंडियन सुपर लीग का नया सीजन 14 फरवरी से शुरू होगा। यह घोषणा मंगलवार शाम केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने की है।

मौजूद जानकारी के अनुसार, बीते कई महीनों से चल रहे कानूनी विवाद और प्रशासनिक असमंजस के कारण आईएसएल को लेकर भारी अनिश्चितता बनी हुई थी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मांडविया ने कहा कि सरकार, ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन और सभी 14 क्लबों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक के बाद लीग को दोबारा शुरू करने का फैसला लिया गया है। हालांकि, इस मुद्दे पर क्लबों की सहमति को लेकर थोड़ी स्पष्टता अभी बाकी है। गौरतलब है कि

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के सीईओ मंदर ताम्हाने ने बताया कि फिलहाल 10 क्लबों ने आधिकारिक रूप से खेलने की पुष्टि कर दी है, जबकि चार क्लबों को अपने मालिकों से चर्चा के बाद मंगलवार रात तक फैसला लेने का समय दिया गया है। लीग के फॉर्मेट को लेकर भी स्थिति साफ कर दी गई है। इस सीजन में सभी टीमें एक-दूसरे के खिलाफ सिंगल लेग होम और अवे मैच खेलेंगी। इसके तहत कुछ टीमों को छह घरेलू मुकाबले मिलेंगे, जबकि कुछ को सात मैच अपने मैदान पर खेलने का मौका मिलेगा। ताम्हाने के मुताबिक, आर्थिक दृष्टि से यह सबसे व्यावहारिक विकल्प है और केंद्रीकृत वेन्यू पर टूर्नामेंट कराने की तुलना में क्लबों के लिए बेहतर है। उन्होंने यह भी बताया कि केरल ब्लास्टर्स और बेंगलुरु एफसी जैसे क्लबों की आय का बड़ा हिस्सा टिकट बिक्री से आता है, वहीं कुछ अन्य क्लबों के स्थानीय प्रायोजक घरेलू मैच न होने की स्थिति में पीछे हट सकते थे। ऐसे में यह फॉर्मेट सभी हितधारकों के लिए संतुलित समाधान माना जा रहा है। वित्तीय व्यवस्था को लेकर एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने जानकारी दी कि आईएसएल के संचालन के लिए 25 करोड़ रुपये का एक केंद्रीय कोष बनाया गया है। इसमें 10 प्रतिशत योगदान एआईएफएफ का होगा, जबकि 30 प्रतिशत एक वाणिज्यिक साझेदार से आना था। चूंकि फिलहाल कोई कमर्शियल पार्टनर नहीं है, इसलिए यह हिस्सा भी एआईएफएफ ही वहन करेगा। कुल मिलाकर एआईएफएफ आईएसएल के लिए 14 करोड़ रुपये और आई-लीग के लिए करीब 3.2 करोड़ रुपये उपलब्ध कराएगा। गौरतलब है कि 11 टीमों वाली आई-लीग भी फरवरी में दोबारा शुरू होने जा रही है। एआईएफएफ के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती दोनों लीगों के लिए स्थायी कमर्शियल साझेदार ढूंढने और अगले सीजन के लिए दीर्घकालिक योजना तैयार करने की है। यह फैसला भारतीय फुटबॉल के लिए इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि दिसंबर में एआईएफएफ और रिलायंस की एफएसडीएल के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट समाप्त होने के बाद जुलाई से आईएसएल ठप पड़ा था। इसके बाद एआईएफएफ द्वारा जारी किए गए टेंडर को कोई बोली नहीं मिली, जिससे संकट और गहराता चला गया था।

मुस्ताफि जुर रहमान केकेआर से रिलीज के बावजूद बेफिक्र

बीपीएल में रंगपुर के लिए पूरी तरह फोकस

GANDIV REPORTER

ढाका। केकेआर से मुस्ताफि जुर रहमान की रिहाई ने क्रिकेट में एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप बीसीबी ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए 2026 टी20 विश्व कप के लिए वेन्यू बदलने की मांग की है, जबकि खिलाड़ी खुद बीपीएल में अपने प्रदर्शन पर फोकस बनाए हुए हैं।

बांग्लादेश के अनुभवी तेज गेंदबाज मुस्ताफि जुर रहमान इन दिनों मैदान के बाहर चल रही चचाओं से पूरी तरह बेपरवाह दिखाई दे रहे हैं। बता दें कि आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स से रिलीज किए जाने के बाद भी उनके खेल और मानसिक स्थिति पर इसका कोई असर नहीं पड़ा है। यह जानकारी बांग्लादेश के पूर्व कप्तान मोहम्मद अशरफुल ने दी है, जो इस समय बांग्लादेश प्रीमियर लीग में रंगपुर राइडर्स के सहायक कोच की भूमिका निभा रहे हैं।मौजूद जानकारी के अनुसार, भारत और बांग्लादेश के बीच बढ़े तनाव के बीच बीसीसीआई के निर्देश पर केकेआर ने मुस्ताफि जुर को अपनी टीम से बाहर किया था। इस पूरे घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए अशरफुल ने साफ कहा है कि मुस्ताफि जुर पूरी तरह शांत हैं और

किसी भी तरह की बाहरी चचाओं से प्रभावित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वह न तो बीसीबी, न भारत, न बीपीएल और न ही आईसीसी से जुड़ी बातों को लेकर चिंतित हैं। गौरतलब है कि चटगांव रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले के बाद पत्रकारों से बातचीत में अशरफुल ने बताया कि फिलहाल मुस्ताफि जुर का पूरा फोकस रंगपुर राइडर्स के लिए प्रदर्शन करने पर है। उन्होंने यह भी कहा कि इसके बाद जो भी अगला असाइनमेंट मिलेगा, वह उसी पर ध्यान केंद्रित करेंगे, क्योंकि वह अलग स्तर के खिलाड़ी हैं।

बीपीएल में अब तक के प्रदर्शन पर बात करते हुए अशरफुल ने स्वीकार किया कि शुरूआती दो मैचों में मुस्ताफि जुर का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। हालांकि, ढाका के खिलाफ हालिया मुकाबले में उनकी भूमिका बेहद अहम रही है। अशरफुल के मुताबिक आखिरी दो ओवरों में जिस तरह से मुस्ताफि जुर ने गेंदबाजी की, वही मैच का टर्निंग पॉइंट रहा है और इस फॉर्मेट में उनकी अहमियत किसी वर्ल्ड-क्लास खिलाड़ी से कम नहीं है।

इस बीच, केकेआर से रिलीज किए जाने के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को आपात बैठक बुलाई थी। बता दें कि बैठक के बाद बीसीबी ने औपचारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद से संपर्क किया है। बीसीबी ने 2026 आईसीसी मेंस टी20 विश्व कप में बांग्लादेश के सभी मैच भारत से बाहर कराने की मांग की है, जिसका कारण सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं बताई गई हैं।

गौरतलब है कि 2026 टी20 विश्व कप की मेजबानी भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से करने वाले हैं और टूर्नामेंट 7 फरवरी से 8 मार्च तक प्रस्तावित है। मौजूदा कार्यक्रम के अनुसार बांग्लादेश को 7 फरवरी को वेस्टइंडीज, 9 फरवरी को इटली और 14 फरवरी को इंग्लैंड से कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेलना है, जबकि 17 फरवरी को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में नेपाल के खिलाफ मुकाबला निर्धारित है। बीसीबी की मांग से टूर्नामेंट के शेड्यूल पर असर पड़ने की संभावना बनी हुई है।

मोनालिसा का दूसरा गाना रिलीज, दिल जानिया में खूबसूरती देख कायल हुए लोग

महाकुंभ मेले से वायरल हुई मोना लिसा का नया गाना दिल जानिया रिलीज हो गया है। मोनालिसा के नए म्यूजिक वीडियो ने फैंस को खास इम्प्रेस किया है। इसमें मोना का लुक तो धांसू है ही, उनके साथ नजर आ रहे एक्टर को भी तारीफें मिल रही है। यह गाना एक रोमांटिक ट्रैक है, जिसमें मोनालिसा ने समर्थ मेहता के साथ काम किया है। गाने को चंडीगढ़ की सिंगर लाइसेल राय ने गाया है, जबकि टर्बन बीट्स ने संगीत दिया है और गैमी ने गाना लिखा है। गाने का टीजर पहले ही रिलीज हो चुका था, जिसमें मोनालिसा की खूबसूरती और अभिनय की तारीफ हुई थी। फैंस ने टीचर को बहुत पसंद किया था और अब पूरा गाना देख सभी लोग बेहद खुश हैं।

मोनालिसा महाकुंभ मेले में माला बेचने वाली लड़की बनकर वायरल हुई थीं, वो अब एक एक्ट्रेस बन गई हैं। उनका यह नया गाना उनकी बढ़ती लोकप्रियता को और भी बढ़ाएगा।

मोनालिसा का एक्टिंग करियर

मोना लिसा का एक्टिंग करियर अब सही रफ्तार पकड़ रहा है। एक तरफ उनकी फिल्मों की चर्चा है तो दूसरी तरफ बैक-टु-बैक म्यूजिक वीडियो आ रहे है। कुछ समय पहले सादगी नाम से मोनालिसा का एक वीडियो आया था और एक बार फिर मोना एक नए म्यूजिक वीडियो के साथ तैयार है। ये भी एक रोमांटिक ट्रैक है और जिस एक्टर के साथ उनकी जोड़ी बनाई गई है वह भी काफी जंच रहे है।

गाने में मोनालिसा का लुक : इस गाने को लाइसेल राय ने गाया है। पूरा गाने को वीनस म्यूजिक पर रिलीज किया गया है जिसे लोग काफी पसंद कर रहे है। मोनालिसा के लुक की बात करें तो वह अपने जाने पहचाने सिम्पल लुक में नजर आ रही है। एक्टर की तरफ से उन्हें अच्छा सपोर्ट मिला है और इस वजह से उनकी केमिस्ट्री काफी पसंद की जा रही है।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स-

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और आम लोगों का बढ़ता रुझान उनके व्यवसाय को प्रभावित कर रहा है। सचिन गुप्ता द्वारा एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर किए गए पोस्ट के अनुसार, जहां एक ओर मोनालिसा की प्रसिद्धि ने बड़ी भीड़ को आकर्षित किया है, वहीं दूसरी ओर उनकी बिक्री में गिरावट आई है। लोग अब मालाएं खरीदने की बजाय सेल्फी और वीडियो बनाने में ज्यादा रुचि दिखा रहे हैं। इससे उनकी आय प्रभावित हो रही है। मोना लिसा के सामने अब एक बड़ी चुनौती है झ अपने व्यवसाय और बढ़ती लोकप्रियता के बीच संतुलन बनाए रखना।

यह कहानी दर्शाती है कि अचानक मिली प्रसिद्धि कैसे किसी के जीवन को प्रभावित कर सकती है। मोनालिसा भोंसले की कहानी हमें याद दिलाती है कि सोशल मीडिया पर वायरल होना हमेशा सकारात्मक परिणाम नहीं लाता। उनके लिए अब यह महत्वपूर्ण है कि वे इस लोकप्रियता का सकारात्मक उपयोग करें और अपने व्यवसाय को भी सँभाल सकें। दिल जानिया है गाने का टाइटल वीडियो एल्बम का नाम दिल जानिया है जिसमें कलाकार मोना लिसा भोसले और स्मर्थ मेहता एक साथ पहली बार नजर आए हैं। इसका निर्देशन रिदम सनाध्या ने किया है। लोग रिलीज होते ही गाने पर खूब प्यार बरसा रहे हैं। इसे 2 घंटे में ही कई हजार व्यूज मिल चुके हैं। मोनालिसा की विशेष पहचान उनके सांवले रंग, अंबर रंग की आंखें, नाक की बनावट और चेहरे की संरचना है। त्रिवेणी संगम पर माला बेचते हुए, उनका एक वीडियो वायरल होने के बाद से लोग उनकी तुलना दुनिया की मशहूर पेंटिंग मोना लिसा से करने लगे हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, सोशल मीडिया यूजर्स लियोनार्डो द विंची की इस प्रसिद्ध पेंटिंग और मोनालिसा भोंसले के बीच काफी समानताएं देख रहे हैं। सोशल मीडिया पर मिली अप्रत्याशित लोकप्रियता ने मोनालिसा के जीवन को एक नया मोड़ दिया है। हजारों फॉलोअर्स और लाखों व्यूज मिलने के बावजूद यह प्रसिद्धि उनके लिए मिश्रित भावनाएं लेकर आई है।

राजेश खन्ना ने पोल खुलने के डर से की डिंपल कपाड़िया से शादी?

अंजू महेंद्रू को पहले ही बना चुके थे बीवी!

राजेश खन्ना को हिंदी सिनेमा का पहला सुपरस्टार कहा जाता है, क्योंकि उनके जैसी स्टारडम पहले कभी नहीं देखी गई थी। उनकी फीमेल फैंस के बारे में अक्सर कहानियां सुनने को मिलती हैं। उनकी कार अक्सर लिपस्टिक के निशानों से भरी रहती थी और जब उन्होंने डिंपल कपाड़िया से शादी की, तो कई औरतों ने सफेद साड़ियां पहनी थीं। लेकिन राजेश खन्ना की डिंपल से शादी से पहले अंजू महेंद्रू के साथ भी सीक्रेट शादी हुई थी! दरअसल, उस समय ये खबर नामी मैगजीन में छपी थी। राजेश खन्ना और अंजू महेंद्रू रिलेशनशिप में थे और खबरों में यह भी कहा गया था कि वे लिव-इन रिलेशनशिप में रहते थे। हाल ही में एक इंटरव्यू में, अनुभवी पत्रकार और राइटर शोभा डे ने स्टारडस्ट की संपादक रहते हुए इस खबर को छापने के बारे में खुलकर बात की है। विकी लालवानी से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, ह्यसबसे पहला और सनसनीखेज मुद्दा राजेश खन्ना के बारे में था कि क्या उन्होंने गुपचुप तरीके से शादी कर ली थी।

अंजू महेंद्रू से राजेश खन्ना की शादी : उन्होंने आगे बताया, यह जानकारी नारी हीरा से मिली, क्योंकि वे अंजू महेंद्रू की मां को अच्छी तरह जानते थे। वे दोस्त थे। इसलिए उन्होंने सूचना दी और हमने सोचा कि यह एक बेहतरीन कवर स्टोरी होगी और बहुत ध्यान खींचेगी क्योंकि हमने उन्हें एक बड़ा सेलेब बनाया था। मैंने पहले कभी किसी के लिए इस तरह की दीवानगी नहीं देखी। यहां तक कि सभी खान मिलकर भी उस तरह के जुनून और दीवानगी की बराबरी नहीं कर सकते जो राजेश खन्ना ने अपने चरम पर पैदा की थी।

राजेश खन्ना ने प्रेशर में डिंपल कपाड़िया से शादी की? जब उनसे आगे पूछा गया कि क्या वह कहानी सच थी, तो शोभा ने कहा, हां, बिल्कुल सच थी। मुझे लगता है कि यह सौ प्रतिशत सच थी क्योंकि वे कभी इसका खंडन नहीं कर सके। अगर मुझे सही याद है, तो कहानी सामने आने के बाद इसी वजह से उन्होंने डिंपल से शादी की। राजेश खन्ना ने 1973 में अपने से काफी छोटी डिंपल कपाडिया से शादी की थी। इस कपल की दो बेटियां ट्विंकल और रिंकी खन्ना हैं। राजेश खन्ना और अंजू महेंद्रू रिलेशनशिप में थे और खबरों में यह भी कहा गया था कि वे लिव-इन रिलेशनशिप में रहते थे। हाल ही में एक इंटरव्यू में, अनुभवी पत्रकार और राइटर शोभा डे ने स्टारडस्ट की संपादक रहते हुए इस खबर को छापने के बारे में खुलकर बात की है। विकी लालवानी से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, ह्यसबसे पहला और सनसनीखेज मुद्दा राजेश खन्ना के बारे में था कि क्या उन्होंने गुपचुप तरीके से शादी कर ली थी।

उन्होंने आगे बताया, यह जानकारी नारी हीरा से मिली, क्योंकि वे अंजू महेंद्रू की मां को अच्छी तरह जानते थे। वे दोस्त थे। इसलिए उन्होंने सूचना दी और हमने सोचा कि यह एक बेहतरीन कवर स्टोरी होगी और बहुत ध्यान खींचेगी क्योंकि हमने उन्हें एक बड़ा सेलेब बनाया था। मैंने पहले कभी किसी के लिए इस तरह की दीवानगी नहीं देखी। यहां तक कि सभी खान मिलकर भी उस तरह के जुनून और दीवानगी की बराबरी नहीं कर सकते जो राजेश खन्ना ने अपने चरम पर पैदा की थी।

निक जोनस ने प्रियंका के साथ आप जैसा कोई गाने पर किया डांस, लोग बोले- इनको आधार कार्ड दो

बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा और उनके पति निक जोनास अक्सर सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हैं। दोनों अपनी लाइफ के खूबसूरत पल, फैमिली टाइम और बॉलीवुड के गानों पर वीडियो शेयर करते रहते हैं। ऐसा ही कुछ निक ने सोमवार को किया। दरअसल, निक ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार और एनर्जेटिक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में निक जोनस, उनके भाई और खुद प्रियंका बॉलीवुड के मशहूर सॉन्ग आप जैसा कोई पर थिरकते नजर आ रहे हैं। वहीं, निक ने इस गाने को पार्टी सॉन्ग बताया, जिसे देख फैंस भी उत्साहित नजर आ रहे हैं। वीडियो पोस्ट कर निक ने कैप्शन दिया, आज के शो से पहले माहौल बनाने वाला गाना। जीतन अमान आइकन।

निक जोनस के डांस पर फिदा फैंस

फैंस को निक की पोस्ट काफी पसंद आ रही हैं। वे कमेंट सेक्शन पर प्यार लुटा रहे हैं, साथ ही हार्ट और फायर इमोजी के साथ रिएक्शन भी दे रहे हैं। प्रीति जिंटा की हंसी छूटी तो बाकी लोगों ने भी चुटकी ली। एक यूजर ने लिखा, आधार कार्ड, राशन कार्ड, पैन कार्ड सब देदो इनको। एक ने लिखा, अब निक जीजू आधार कार्ड डिजर्व करते हैं। एख ने लिखा, आपकी तो बात बनी हुई है। प्रियंका-निक की जोड़ी हमेशा फैंस को एंटरटेन करती रहती है। वे अक्सर सोशल मीडिया पर बॉलीवुड के गानों पर वीडियो शेयर करते रहते हैं। वहीं, निक ने एक बार एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्हें बॉलीवुड के गाने और डांस काफी पसंद हैं और उनमें डांस करना काफी आसान रहता है।

निक जोनस ने शरारत पर किया था डांस

इसके पहले निक जोनस ने अपने भाइयों के साथ धुरंधर के गाने शरारत पर डांस किया था और उसका वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया था। ये भी खूब वायरल हुआ था। कैप्शन लिखा था, शो से पहले धूम मचाने वाला नया गाना अनलॉक हो गया है। इस पर रणवीर सिंह ने कमेंट किया था, हाहाहा जीजू जाने दें। कम्पोजर शाश्वत सचदेव ने लिखा था, ह्यमैं तो ऐसे ही उठना चाहता हूं। क्रिस्टल डिसूजा, जैकलीन फर्नांडिस समेत अन्य ने भी रिएक्ट किया था।

बॉलीवुड से हॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा को कपिल शर्मा के शो ह्यद ग्रेट इंडियन कपिल शो के नए सीजन में देखा गया। वो पहले एपिसोड में मेहमान बनकर आईं और अपनी जिंदगी के खूब सारे अनसुने किस्से सुनाए। उन्होंने निक जोनस के साथ करवा चौथ सेलिब्रेशन को लेकर एक खुलासा किया, जिससे कपिल खुद हैरान रह गए। ये बहुत ही प्यार और रोमांटिक किस्सा है। प्रियंका चोपड़ा ने कहा, हमने इतनी अजीब, अजीब जगहों पर चांद को ढूंढने की कोशिश की है। एक बार वो स्टेडियम पर और शो हो रहा है। चांद मिले ही ना। बादल थे और बारिश आने वाली थी। 60-70 हजार और वो शो किए जा रहे हैं। 10 बज गए, 11 बजे गए, दिख ही नहीं रहा। रोमांटिक चीज बताऊं? वो अपने प्लेन में बादलों के ऊपर लेकर गए और चांद देख कर व्रत तोड़ा।

दूसरी औरत संग किया पाप, बोले– प्रिया को बताना आसान था

बॉलीवुड दिग्गज पीयूष मिश्रा ने हाल ही में एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि वो अपनी बीवी को धोखा दे रहे थे, लेकिन फिर उन्हें सबकुछ सच-सच बता दिया। उनके कबूलनामे के बाद उनकी बीवी ने समझदारी से रिएक्शन दिया, जिससे उनका रिश्ता बर्बाद होने से बच गया। पीयूष ने कहा कि ये उनके लिए आसान था।

पीयूष मिश्रा ने इंटरव्यू में अपनी जिंदगी के उस दौर के बारे में बात की, जब उन्होंने अपनी बीवी को धोखा दिया था। उन्होंने कहा, ह्यअगर आपने अपनी बीवी के सामने कबूल कर लिया है तो ये बहुत बड़ी बात है। अपनी पत्नी को सबकुछ बताने से पहले मेरे अंदर उथल-पुथल मची हुई थी और जब मैंने उसे सब बता दिया तो सब शांत हो गया।

बीवी ने कहा– कोई बात नहीं

पीयूष मिश्रा की बीवी ने उनके चीटिंग करने की बात को समझदारी से संभाला। वो कहते हैं, मेरी पत्नी ने बात समझी और मुझसे कहा- कोई बात नहीं। तुमने कुछ गलतियां कीं, कुछ मैंने कीं। सच सामने आने के बाद अब दिल साफ हो गया है और अब आगे बढ़ने और अपना जीवन जीने का समय है।

पीयूष बोले– मेरे लिए आसान था : वो आगे कहते हैं, खैर। मेरे लिए तो ये आसान था। लोग मेरे पास आकर कहते थे- ये तो बहुत मुश्किल रहा होगा। लेकिन मेरे मामले में ऐसा नहीं था। मैंने उसके साथ गलत किया था। अपने पापों को धोने के लिए सच बताना जरूरी था।

प्रिया और पीयूष ने भागकर की थी शादी : बता दें कि पीयूष मिश्रा ने 1 जून 1995 में प्रिया नारायणन से आर्य समाज मंदिर, दिल्ली में शादी की थी। इनके दो बेटे जय और जोश हैं। प्रिया आर्किटेक्ट हैं। उन्होंने दिल्ली से पढ़ाई की। 1992 में एक थिएटर प्रोजेक्ट के दौरान उनकी मुलाकात पीयूष से हुई थी। दोनों ने शादी से पहले तीन साल तक डेट किया था। आर्मी परिवार से ताल्लुक रखने वाली प्रिया के परिवार को ये रिश्ता शुरूआत में पसंद नहीं था तो दोनों को भागकर शादी करनी पड़ी थी।

पुष्पा 2 को पीछे छोड़ते हुए धुरंधर बनी अब तक की सबसे बड़ी हिट

एक ऐसे उद्योग में जहां सफलता को आंकड़ों से मापा जाता है, कुछ ही पल ऐसे होते हैं जब ये आंकड़े इतिहास बन जाते हैं। धुरंधर के साथ रणवीर सिंह ने ऐसा ही एक ऐतिहासिक पल रचा है, जब उन्होंने एक ही भाषा हिंदी में अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म का नेतृत्व किया।

यह उपलब्धि सिर्फ अपने विशाल पैमाने के कारण नहीं, बल्कि अपनी यात्रा के कारण भी खास है। धुरंधर ने किसी क्षणिक उछाल पर भरोसा नहीं किया, बल्कि धीरे-धीरे मजबूत होती गई, अपनी पकड़ बनाए रखी और हफ्तों तक शानदार प्रदर्शन करती रही। फिल्म ने अपने पांचवें मंगलवार (33वें दिन) को भारत में 831.40 करोड़ रुपए की नेट कमाई का आंकड़ा छू लिया, जो हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के लिए एक नया मील का पत्थर है।

इस असाधारण सफलता के केंद्र में रणवीर सिंह का दमदार अभिनय है। उन्होंने बड़े कैनवास पर रचे गए इस किरदार में नियंत्रण, गहराई और स्पष्टता के साथ जान फूंकी है। उनकी मौजूदगी संतुलित होते हुए भी बेहद प्रभावशाली है, जो कहानी को भव्यता और भावनाओं के साथ आगे बढ़ने देती है। यही संतुलन फिल्म को हर वर्ग के दर्शकों से जोड़ता है और इसकी रफ्तार को बनाए रखता है। ट्रेड विश्लेषकों और दर्शकों दोनों से फिल्म को भरपूर सराहना मिली है। इसकी लगातार मजबूत कमाई इस बात का प्रमाण है कि दर्शक रणवीर सिंह पर कितना भरोसा करते हैं – न सिर्फ एक सुपरस्टार के तौर पर, बल्कि एक ऐसे कलाकार के रूप में जो हर किरदार में ईमानदारी और मजबूती लाता है। दर्शक उनके निभाए किरदार और फिल्म के अनुभव, खासकर इसकी शानदार कहानी के लिए बार-बार सिनेमाघरों तक लौटे। आंकड़ों से परे, हम्जा का किरदार एक सांस्कृतिक पहचान बन चुका है। यह भूमिका आम बातचीत का हिस्सा बन गई है, जो दर्शाती है कि इसने दर्शकों पर कितना गहरा प्रभाव छोड़ा है। जब कोई किरदार पर्दे से निकलकर लोगों की ज़िंदगी में जगह बना ले, तो वह अभिनय की स्थायी छाप को दर्शाता है।धुरंधर के साथ रणवीर सिंह ने अपने करियर में एक निर्णायक अध्याय जोड़ दिया है। अब तक की सबसे बड़ी सिंगल-लैंग्वेज हिंदी फिल्म का नेतृत्व कर उन्होंने हिंदी सिनेमा के लिए एक नया मानदंड स्थापित किया है। यह पल समर्पण, कला और दर्शकों से गहरे जुड़ाव का प्रतीक है – एक ऐसा कीर्तिमान जो हिंदी सिनेमा के इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा।